आश्विन कृष्ण पक्ष-15, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 100 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

02 अक्टूबर 2024 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

29 अधिकतम

23 न्यूनतम

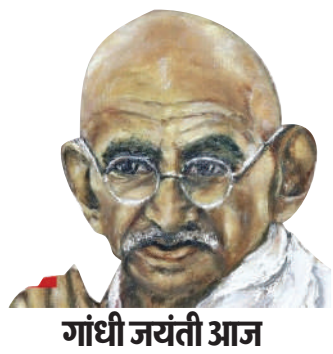



गांधी जयंती आज

## आज सूर्यग्रहण, कई तरह की चुनौतियां व उथलपुथल लाएगा

### भारत में नहीं दिखेगा 6 घंटे का ग्रहण

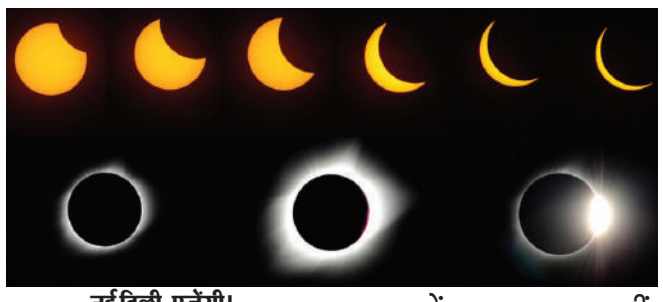



**नई दिल्ली, एजेंसी।**

इस साल का दूसरा व अंतिम सूर्य ग्रहण आज लगने वाला है। यह ग्रहण कन्या राशि और हस्त नक्षत्र में लगने जा रहा है तथा वलयाकार है। सूर्य ग्रहण इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि इस दिन सर्वपितृ अमावस्या भी पड़ रही है। ऐसे में लोगों को चिंता है कि कहीं सूर्य ग्रहण के चलते पितरों के श्राद्धकर्म में कोई बाधा न आ जाए।

भारतीय समय के मुताबिक इस ग्रहण का आरंभ आज 2 अक्टूबर की रात को 09.12 बजे होगा व मध्यरात्रि तकरीबन 12.15 बजे सूर्य ग्रहण का प्रभाव सबसे अधिक रहेगा। ग्रहण का समापन रात या तड़के 03.17 बजे होगा। खगोलविदों का कहना है कि यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं बल्कि दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी भागों, प्रशांत महासागर, अटलांटिक, आर्कटिक, अंटार्कटिका, अर्जेंटीना, उरुग्वे, ब्यूनस आयर्स, ब्राजील, मेक्सिको और पेरू में कुछ जगहों पर दिखाई देगा।

### भारत में सूतक काल नहीं

आमतौर पर जब सूर्य ग्रहण भारत में दिखता है तो 12 घंटे पहले इसका सूतक काल भी लग जाता है। इस काल में बहुत सारी सावधानियों का पालन भी करना पड़ता है। लेकिन यह ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। इसलिए किसी तरह के नियमों के पालन की आवश्यकता नहीं होगी। गर्भवती महिलाओं को भी किसी तरह के चिंता की आवश्यकता नहीं है।

### क्यों खास है यह सूर्य ग्रहण ?

इस सूर्य ग्रहण में सूर्य, चन्द्रमा, बुध और केतु का संयोग बनेगा। राहु और केतु का अक्ष मीन और कन्या राशि में प्रभावशाली हो जाएगा। इसमें सूर्य, मंगल और केतु का प्रभाव बना रहेगा। यह स्थिति दुनियाभर में राजनैतिक रूप से उथल-पुथल मचा सकती है। आर्थिक मोर्चे पर नई चुनौतियों का सामना होगा। कन्या और मीन राशि का प्रभाव विश्वभर में युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं के संकेत दे रहा है।

### स्वच्छ भारत मिशन के 10 साल, सबकी योजना सबका विकास अभियान शुरू

## पंचायतों को मिलने वाले हैं बड़े मौके

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज कहा कि पंचायतें लोकतांत्रिक व्यवस्था की जमीनी और सशक्त इकाई हैं यह पंचायतें लोकतंत्र की नींव हैं और सभी पंचायतों को विकास के बड़े अवसर मिलने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। इसीलिए उनके जन्मदिन से गांधी जयंती तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया है। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में नगरीय विकास विभाग की विकास परियोजनाओं और अमृत परियोजनाओं के लोकार्पण के मौके पर सीएम यादव ने कहा कि मोदी के निर्देश पर आज गांधी जयंती से भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा सबकी योजना सबका विकास अभियान शुरू किया जा रहा है।

इस राष्ट्रीय अभियान का उद्देश हर गांव हर पंचायत को विकास की मुख्य धारा में लाया जाना है। यह योजना गांव में समावेशी विकास का एक मॉडल बनेगी। अब सभी पंचायतों को विकास के अवसर मिलने वाले हैं। हर पंचायत को विकास की योजना तैयार करना है। पंचायत राज विभाग ने इससे सतत विकास लक्ष्यों से जोड़ा है। सीएम ने कहा कि सभी ग्रामवासी ग्राम सभा में बढ़ चढ़ कर भाग लें। विकसित भारत के लिये यह अत्यंत आवश्यक है कि अपना भारत स्वच्छ भी हो और स्वस्थ भी। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से स्वच्छता अभियान को जन-आंदोलन बनान में मध्यप्रदेश ने भी अथक प्रयास किया है।

### नए प्रोजेक्टस की शुरूआत व लोकार्पण

इसके पहले सीएम यादव ने वर्चुअल माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन एवं 'अमृत' योजना अंतर्गत 685 करोड़ की परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें भोपाल शहर को कुल 43 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिली। इनमें प्रमुख सीएनजी वाहन, स्वीपिंग मशीनें, कचरा स्टेशन, प्लास्टिक वेस्ट प्लांट भी शामिल हैं। कार्यक्रम में 26 पात्र आवेदकों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र भी दिए गए।

### पीएम ने कहा-गंदगी से नफरत हमें मजबूत करेगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधी जयंती के दिन स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत के 10 साल पूरे होने पर दिल्ली में विज्ञान भवन में स्वच्छ भारत दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने स्वच्छता से संबंधित 9600 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी व कहा कि विकसित भारत की यात्रा में हमारा हर प्रयास 'स्वच्छता से संपन्नता' के मंत्र को मजबूत करेगा। गंदगी के प्रति नफरत ही हमे स्वच्छता के लिए मजबूर और मजबूत कर सकती है। मोदी ने कहा कि बीते पखवाड़े में देश भर में करोड़ों लोगों ने 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है। मुझे जानकारी दी गई है कि 'सेवा पखवाड़ा' के 15 दिनों में देशभर में 27 लाख से ज्यादा कार्यक्रम हुए। जिनमें 28 करोड़ से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। आज से 1 हजार साल बाद भी जब 21वीं सदी के भारत का अध्ययन होगा, तो उसमें स्वच्छ भारत अभियान को जरूर याद किया जाएगा।

## कल से नवरात्र, घटस्थापना के दो मुहुर्त

**भोपाल।** आज पितृों के विदा होने के साथ कल से नवरात्रि शुरू हो रही है। इस बार अंग्रेजी तारीखों और तिथियों का तालमेल गड़बड़ होने से अष्टमी और महानवमी की पूजा 11 तारीख को होगी। 12 अक्टूबर, शनिवार को दशहरा मनेगा। जिससे देवी पूजा के लिए पूरे नौ दिन मिलेंगे। नवरात्रि के पहले दिन घट (कलश) स्थापना की जाती है। इसे माता की चौकी बैठाना भी कहा जाता है। इसके लिए दिनभर में दो ही मुहूर्त रहेंगे। पहला मुहुर्त सुबह 10.50 से 1.30 तक है और दूसरा मुहुर्त शाम साढे चार बजे से छह बजे तक है।

## गोविंदा की हालत में अब सुधार आज आईसीयू से आएंगे बाहर

**मुंबई, एजेंसी।**

फिल्म अभिनेता गोविंदा की हालत में अब सुधार हैं। उन्हें आज आईसीयू से नार्मल वार्ड में शिफ्ट किया जा रहा है। वह कल तडके अपने ही घर में पिस्टल गिरने से चली गोली से घायल हो गये थे। यह गोली गलती से खुद की रिवॉल्वर से लगी थी।अब सामने आया है कि जिस वक्त यह हादसा हुआ, उस वक्त गोविंदा घर पर अकेले थे और पत्नी सुनीता बाबा खाटूश्याम के दर्शन करने गई हुई थीं। जैसे ही उन्हें खबर मिली वह तुरंत मुंबई के लिए निकलीं। आज सुनीता पहली बार सामने आई हैं और बताया कि यह गोली गोविंदा के घुटने के नीचे लगी थी। आज उन्हें जनरल वार्ड में शिफ्ट किया जाएगा।

## ईरान भी जंग में कूदा, इजरायल पर दो सौ मिसाइल दागी

### अमेरिका ने इजरायल को दिया सैन्य समर्थन

**तेलअवीव, एजेंसी।**

हिजबुल्लाह पर हमलावर इजरायल पर आज तड़के ईरान ने 180 बैलिस्टिक मिसाइल दाग दी,प्रकारांतर से वह भी जंग में कूद गया है। हालांकि ज्यादातर मिसाइल को इजराइल की डिफेंस सिस्टम ने नष्ट कर दिया व हमले में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी नहीं मिली है। ईरान ने मोसाद हेडक्वार्टर, नेवातिम एयरबेस और तेल नोफ एयरबेस को निशाना बनाकर हमला किया था। हमले के बाद ईरान ने कहा कि अगर इजराइल ने इसका जवाब दिया तो वे फिर पलटवार करेंगे। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि हमने इजराइल की आक्रामकता का जवाब दे दिया है। यह ईरान के हितों और नागरिकों की रक्षा के लिए जरूरी था। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि ईरान को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हम ईरान को बख्शने वाले नहीं है। इन हमलों का जवाब जरूर दिया जाएगा।

इजराइल पर हमले के बाद अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने नेशनल सिक्योरिटी टीम के साथ बैठक की। इसके बाद बाइडेन ने सेना से कहा है कि वो ईरानी हमलों से इजराइल की रक्षा करे और इजराइल की तरफ दागी गईं मिसाइलों को मार गिराएं। ज्ञात हो कि इजराइल ने सोमवार रात लेबनान में घुसकर ग्राउंड ऑपरेशन शुरू कर दिया। हिजबुल्लाह ने इसे नकारा है। वहीं इजरायल की सेना लेबनान के अंदर 48 किलोमीटर तक घुस चुकी है।

### ईरान के तेल संयंत्रों पर खतरा

एक्सियोस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस्राइल की सेना कुछ दिनों के भीतर ईरान के तेल उत्पादन संयंत्रों को निशाना बनाकर मिसाइल हमला कर सकता है।

## पुणे में हुआ हेलिकॉप्टर क्रैश हादसे में तीन की मौत

**पुणे, एजेंसी।**

आज सुबह महाराष्ट्र के पुणे जिले के बावधन में एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इस पर हेलिकॉप्टर में दो पायलट और एक इंजीनियर सवार थे। हादसे में तीनों की मौत हो गई। घटना केके कंस्ट्रक्शन हिल के पास सुबह करीब 6:45 बजे हुई। पिंपरी चिंचवड़ पुलिस के मुताबिक, हेलिकॉप्टर ने ऑक्सफोर्ड गोल्फ कोर्स के हेलीपैड से टेक ऑफ किया था। उड़ान भरने के करीब 10 मिनट बाद 1.5 किमी दूर जाकर हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसा पहाड़ी इलाके पर हुआ। वहां सुबह के समय घना कोहरा था। क्रैश के बाद हेलिकॉप्टर में आग लग गई। तत्काल मृतकों की भी पहचान नहीं हो सकी है। घटना के तुरंत बाद रेसक्यू ऑपरेशन के लिए दो एम्बुलेंस और चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

## अनुराग जैन कल संभालेंगे सीएस पद

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मप्र के नए मुख्यसचिव के तौर पर सीनियर आईएएस अनुराग जैन कल सुबह अपना कामकाज शुरू करेंगे। वे आज शाम दिल्ली से भोपाल आ रहे हैं। माना जा रहा है कि नवरात्र के पहले दिन कार्यकाल शुरू करना चाहते हैं इसलिये उन्होंने 1 अक्टूबर को पद नहीं संभाला। हालाकि सरकार ने भी प्रभारी मुख्यसचिव के तौर पर किसी अफसर को यह जिम्मा नहीं दिया। जैन के बाद सबसे सीनियर होने के नाते मो. सुलेमान को यह जिम्मेदारी मिलने की संभावना बनती थी। खुद सुलेमान भी मुख्यसचिव पद के दावेदार थे।

## सौ साल पुरानी इमारत गिरी, सब सुरक्षित !

**लुधियाना, एजेंसी।**

पंजाब के लुधियाना शहर में आज एक भीषण हादसे ने आसपास लोगों खौफ में डाल दिया है। यहां के पुराने बाजार में एक सौ साल पुरानी इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। मोहल्ले के लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। घटना में दो लोगों को चोटें आई हैं। जब इमारत ढही तो वहां रहने वाला एक दंपत्ति भी अंदर फंस गए, जिनको आसपास के लोगों और पुलिस ने सुरक्षित निकाला। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। घटना का भयावह वीडियो पास के सीसीटीवी में कैद हो गया। फुटेज में बिल्डिंग के गिरते ही मिट्टी मिट्टी दिखाई दे रही है. इमारत गिरने से घर का सारा सामान मलबे में दब गया। वीडियो में संकरी सी गली में पहले एक लड़का भागता दिखता है और उसके पीछे एक बच्चे को गोद में लिए एक महिला जान बचाकर भागती दिखती है। यह दृश्य तना भयानक है उससे तो लोगों की जान बच जाना चमत्कार जैसा लगता है। ज्ञात हो कि, बीते अगस्त में उत्तर प्रदेश के कानपुर में ऐसा ही हादसा हुआ था।

**मेट्रो एंकर**

### मामला 2000 के नोट का, चलन से हो चुके हैं बाहर

## 7117 करोड़ के गुलाबी नोट दबाए बैठे हैं लोग...

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

दो हजार रूपये के वह गुलाबी नोट, जो कुछ समय पहले ही बाजार में उतारे गये थे, अब सामान्य तौर देखने में नहीं आ रहे क्योंकि इनको सरकार चलन से बाहर कर चुकी हैं। इस निर्णय को भी करीब डेढ़ साल से ज्यादा का समय बीत गया है, मगर आलम यह है कि 7000 करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य के ये करेंसी नोट लोग दबाए बैठे हैं। यानि सरकार के खजाने में वापस नहीं लौटे हैं। रिजर्व बैंक ने 2000 के करेंसी नोटों को लेकर बताया है कि सर्कुलेशन से बाहर किए जाने के बाद से अब तक 2000 के कुल नोटों में से 98 फीसदी की वापसी हो चुकी है।

रिजर्व बैंक का कहना है कि अभी भी लोग 7,117 करोड़ रुपये मूल्य के गुलाबी नोटों अपने पास दबाए बैठे हैं। इन नोटों को सर्कुलेशन से बाहर करने के बाद शुरुआती दौर में इनकी वापसी तेज रफ्तार से हुई थी, लेकिन अब ये बेहद सुस्त रफ्तार से वापस आ रहे हैं। 1



जुलाई 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक ने जो आंकड़े शेयर किए थे, उनके मुताबिक 7581 करोड़ रुपये के 2000 रुपये के नोट बाजार में बचे हुए थे, जबकि 1 सितंबर तक भी ये आंकड़ा 7000 करोड़ से नीचे नहीं आ सकता है। इन दो महीने में महज 320 करोड़ मूल्य के नोटों की वापसी हो सकी थी। वहीं अब अक्टूबर का डाटा देखने पर नोट वापसी की सुस्त रफ्तार का अंदाजा साफ लगाया जा सकता है। जबकि बीते साल जब मई 2023 में जब ये नोट बंद किए गए थे, तब बाजार में 3.56 लाख करोड़ रुपये से मूल्य के करेंसी नोट मौजूद थे और 29 दिसंबर 2023 तक ये आंकड़ा घटकर 9,330 करोड़ रुपये रह गया था।

### अभी भी मौका है लौटाने का

हालांकि अभी भी इन नोटों को अभी भी बदला जा सकता है,मगर स्थानीय बैंकों में ये काम नहीं हो पाएगा. केंद्रीय बैंक पहले कह चुका है कि इन गुलाबी नोटों को रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में लौटाया जा सकता है या नजदीकी किसी भी डाकघर के जरिए इंडिया पोस्ट के माध्यम से भी ये नोट जमा करा सकते हैं।

### क्यों बंद किए 2000 के नोट?

आरबीआई ने क्लीन नोट पॉलिसी के तहत 19 मई 2023 को देश के सर्कुलेशन में मौजूद सबसे ज्यादा मूल्य के इस 2000 रुपये के नोट को वापस लेने का ऐलान किया था। माना जा रहा था कि कालाधन बाहर निकालने के लिये यह फैसला किया गया। इन नोटों को वापस करने और बदलवाने के लिए 23 मई से लेकर 30 सितंबर 2023 तक का समय दिया था। हालांकि, इसके बाद इस डेडलाइन को लगातार बढ़ाया जाता रहा है। केंद्रीय बैंक ने दो हजार के नोट 2016 में नोटबंदी के बाद पेश किये थे तथा हजार का नोट बंद कर दिया था। आबीआई का कहना है कि अन्य मूल्यवर्ग के नोट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने के बाद 2,000 रुपये के नोट का उद्देश्य पूरा हो गया है लिहाजा इनकी छपाई बंद कर दी गई।

## महाकाल मंदिर व राजस्थान के स्टेशन उड़ाने की धमकी

**नई दिल्ली , एजेंसी।**

राजस्थान के हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन पर एक पत्र मिला है, जिसमें उज्जैन के महाकाल मंदिर सहित राजस्थान के कई रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। पत्र में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का नाम लिखा है। इस घटना के बाद पुलिस अलर्ट है और सुरक्षा जांच कड़ी कर दी गई है। राजस्थान में बीते 11 महीनों में प्रदेश में ऐसी धमकियां लगातार मिल रही हैं। इससे पहले राजधानी जयपुर में स्कूल, मॉल और एयरपोर्ट को भी बम से उड़ाने वाले ई-मेल मिल चुके हैं। बताया जाता है कि उज्जैन के महाकाल मंदिर में रोज बम स्क्वाड की टीम जांच करती हैं। इसके साथ ही मंदिर के प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर भी लगाए हैं।

### शिवाजी के जीवन व संघर्ष को जीवंत करने का प्रयास

# 'शिव-सृष्टि' थीम पार्क को 5 करोड़ रुपए देगी मप्र सरकार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अम्बेगांव (पुणे) में एशिया के एकमात्र ऐतिहासिक थीम पार्क %शिव-सृष्टि% का भ्रमण किया। महाराजा शिव-छत्रपति प्रतिष्ठा न्यास संस्थान द्वारा संचालित 'शिव-सृष्टि' थीम पार्क का उद्देश्य छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके संघर्ष को जीवंत करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुणे में संस्थान की गतिविधियों की प्रशंसा की और पार्क के विकास व जनकल्याण के कामों के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

**21 एकड़ में फैला है पार्क:** छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके योगदान से परिचित करवाने वाला %शिव-सृष्टि% थीम पार्क 21 एकड़ में फैला है। जिसकी अनुमानित लागत 438 करोड़ रुपये बताई जाती है। अब तक इस मेगा प्रोजेक्ट के दो चरण पूरे हो चुके हैं।

पहले चरण में सरकारवाड़ा के तहत महाराष्ट्र के किलों की प्रदर्शनी, छत्रपति शिवाजी महाराज के आगरा से बच निकलने की कहानी, रायगढ़ का 5-डी शो, शस्त्रों की प्रदर्शनी और शिवाजी महाराज के जीवन पर केन्द्रित अन्य इंटरैक्टिव अनुभव शामिल हैं। दूसरे चरण में रोटेशनल प्लेटफार्म पर 'स्वराज्य स्वधर्म, स्व-भाषा' शो विकसित किया गया है, जिसे एक बार में लगभग 100 दर्शक देख सकते हैं। थीम पार्क के तीसरे चरण में प्रवेश द्वार (रंग मंडल), राजसभा का निर्माण, डार्क राइड, तटबंध, लैंड-स्केप और ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य पूरा किया जा रहा है। इस थीम पार्क को 'मेगा टूरिज्म प्रोजेक्ट' का दर्जा मिला है। अब तक 70 हजार से अधिक लोग इसका भ्रमण कर चुके हैं।

**आक्रमणकारियों से सांस्कृतिक विरासत बचाई:** मुख्यमंत्री ने पुणे में रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी संस्थान की राष्ट्रीय चर्चा में भी हिस्सा लिया। यादव ने कहा कि पुणे में शिवाजी महाराज की सरिता की धारा के अलग-अलग तट के हिस्से दिखाई देते हैं। इसके साथ ही सिंधिया, होलकर वंश के शासकों सहित लोक माता के कार्यों का स्मरण सहज ही हो जाता है। पेशवा बाजीराव और सिंधिया का सहयोग वर्तमान के महाकाल मंदिर उज्जैन के कायम रहने का आधार बना। हमारे शासकों ने उस दौर में महाकाल मंदिर का निर्माण किया, जब बाहरी आक्रामक विभिन्न नगरों को ध्वस्त करने के लिए तैयार बैठे थे। छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस व लोकमाता अहिल्या देवी के लोक कल्याणकारी कामों ने हमारी सांस्कृतिक विरासत बचाई है।

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।** राजा भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में छात्रोको उपाधियां दी गई वहीं राज्यपाल द्वारा विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले 27 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को राजा भोज उत्कृष्टता पदक प्रदान किया।

## शिक्षा की बेहतरी के लिए कार्यशाला में निकले निष्कर्षों को अपनाया जायेगा

**भोपाल।** शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भोपाल में हुई स्टार्स (स्ट्रेंथनिंग टीचिंग-लर्निंग एण्ड रिजल्ट्स फॉर स्टेट्स) परियोजना की दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन मूल्यांकन प्रणाली को सुदृढ़ करने पर गहन चर्चा की गई। इस कार्यशाला में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और 18 प्रदेशों के प्रमुख अधिकारियों सहित अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किये। कार्यशाला में सहमति व्यक्त की गई कि शिक्षा की बेहतरी के लिये निष्कर्षों को अपनाया जायेगा। कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत में केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव विपिन कुमार ने प्रभावी मूल्यांकन प्रणाली विषय पर आयोजित सत्र में वर्तमान मूल्यांकन प्रणालियों की प्रभावशीलता और इन्हें बेहतर करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।** भोपाल रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी जयंती पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया

## समिता राजौरा पीसीसीएफ पद पर पदोन्नत

**भोपाल।** वन विभाग ने 1992 बैच की आईएफएस अफसर डॉ. समीता राजौरा को एपीसीसीएफ से प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) पद पर पदोन्नत किया है। इसके साथ ही उन्हें कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से पीसीसीएफ (मानव संसाधन एवं विकास) के पद पर पदस्थ किया है। अभी तक डॉ. राजौरा मप्र इको पर्यटन विकास बोर्ड में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर पदस्थ थीं। उल्लेखनीय है कि समित राजोरा वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजेश राजौरा की पत्नी है और हाल ही में राजौरा का नाम मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव पद के लिए मजबूती से उभरा था, मगर वरिष्ठता के पैमाने पर वे थोड़ा पिछड़ गए। राज्य शासन वन विभाग से जारी आदेश के अनुसार पीसीसीएफ (मानव संसाधन एवं विकास) के पद पर पदस्थ 1991 बैच के आईएफएस शुभरंजन सेन को तबादले के बाद पीसीसीएफ (वित्त एवं बजट) के पद पर पदस्थ किया गया है। उनके तबादले के बाद पीसीसीएफ (मानव संसाधन एवं विकास) के रिक्त पद पर डॉ. राजौरा को पदस्थ किया गया है। उक्त दोनों आदेश मंगलवार को जारी किया गया।

### पितृपक्ष : वंशवृक्ष के बीज

# सार्थक श्रद्धांजलि, समर्पित संस्कार

भारत में पितृपक्ष का समय हमारे पूर्वजों की स्मृति और उनके प्रति सम्मान प्रकट करने का विशेष अवसर है। इस समय हम अपने पितरों को तर्पण, श्राद्ध और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों से श्रद्धांजलि देते हैं। पितरों का स्मरण हमारे संस्कारों का महत्वपूर्ण हिस्सा है, और इसके लिए वंशावली की स्मृति आवश्यक है। हाल में जाने-माने लेखक और रियल एस्टेट डेवलपर मनोज मीक द्वारा वंशावली को डिजिटल रूप में संरक्षित करने का प्रयास इस पारंपरिक प्रक्रिया को आधुनिक स्वरूप में ढालने का उत्कृष्ट उदाहरण है। भारत में, हर धार्मिक अनुष्ठान और पूजा में हमारे पूर्वजों का नाम पुकारा जाता है। पितृपक्ष के दौरान किए जाने वाले श्राद्धों में यह आवश्यक होता है कि हम अपने पूर्वजों के नाम, पीढ़ियों और योगदान को याद करें। हालांकि, आज की तेज जीवनशैली और पारिवारिक ढांचे में इन जानकारियों को संरक्षित रखना कठिन हो गया है। यहां तकनीक की भूमिका अहम हो जाती है। 2010 में भोपाल के श्यामला हिल्स से भीम बैटका तक पाषाण काल के शैल चित्रों के अध्ययन से प्रेरणा लेते हुए मनोज मीक ने इस दिशा में एक अनूठा कदम उठाया। उन्होंने अपने परिवार की वंशावली को ऐन्सेस्ट्री डॉट कॉम के माध्यम से डिजिटल रूप में संरक्षित करने का निर्णय लिया। यह उनके दो वर्ष पूर्व दिवंगत पिता श्रीकृष्ण सिंह के महत्वपूर्ण योगदान का परिणाम था। मीक ने वंशावली की भूमिका में लिखा कि पुराणों में कहा गया है कि यज्ञ, अनुष्ठान और संस्कारों का लाभ कुटुम्ब में होने पर मिलता है। पूज्य पिताश्री द्वारा सहेजे गए वंश-विवरण ने इस विस्तृत वंशावली का संकल्प संस्कार प्रेरित किया है जिन्होंने गाढ़ी आयु में अपने स्मार्ट-फ़ोन से, प्रेरणादायक योगदान दिया। पिछली, हमारी और अगली पीढ़ी भी सहयोगी रही, मैं सभी के स्नेहाधीन हू। 802 से अधिक परिजनों के इस विशाल वंशवृक्ष की शीतलता देवी-सती और पुरखों-पितरों का प्रसाद है तथा त्रुटियाँ मुझ अल्पज्ञ की हैं। यह सृजन गूंगे का गुड़ बनकर ही रह जाता यदि माता-पिता ने विद्या, ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का बोध न कराया होता। काल गणना को शोधपूर्वक रुचिकर रखने का प्रयास किया है। अभिलाषा है कि अगली पीढ़ियों में इस कुल-परम्परा पर शोधानुसन्धान होता रहे.. !

### ऐन्सेस्ट्री डॉट कॉम और डिजिटल वंशवली का महत्व

आज, जब परिवार अलग-अलग स्थानों पर रहते हैं, ऐन्सेस्ट्री जैसी वेबसाइटें हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने का अवसर देती हैं। ऐन्सेस्ट्री ऐप वंशावली को सहेजने का साधन होने के साथ-साथ एक डिजिटल अभिलेखागार भी है। यह पीढ़ियों के बीच सेतु का काम करती है। वंशावली हमारे कुटुम्ब की धरोहर हैं, जिसे हम अपनी आगामी पीढ़ियों के लिए सहेजते है। पितृपक्ष के समय वंशावली की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत पूर्वजों के नामों का स्मरण कर ही की जाती है। सिंह परिवार द्वारा सहेजी गई वंशावली न केवल धार्मिक अनुष्ठानों में सहायक है, बल्कि यह भावी पीढ़ियों को उनके पूर्वजों से जोड़ने का एक साधन भी है।

### डिजिटल युग में धरोहर का संरक्षण

जैसे-जैसे समय बदल रहा है, धरोहरों को संरक्षित करने के तरीके भी बदल रहे हैं। अब वंशावली को पंडों तक सीमित रखने के बजाय इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सहेजा जा सकता है। ऐसे प्लेटफार्म न केवल वंशावली को संरक्षित करते हैं बल्कि पारिवारिक इतिहास की गहराई से जानकारी प्राप्त करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। मीक का यह प्रयास साबित करता है कि आधुनिक तकनीकी साधनों का सही उपयोग पारंपरिक धरोहरों के संरक्षण के लिए किया जा सकता है। यह प्रयास उन वंशजों के लिए प्रेरणा है जो अपने पूर्वजों की धरोहर को संरक्षित रखना चाहते हैं।

- स्रोत : ancestry.com मनोज मीक के पारिवारिक वंशावली पर आधारित अनुभव।

## युवा वेस्टर्न रीजन में नौरीना रहीं सेकंड रनर-अप

**हिरदाराम नगर.** संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की एमबीए इंटीग्रेटेड की छात्रा ने युवा वेस्टर्न रीजन 4.0 फ्यूचर हेल्थ÷ इवेंट में सेकंड रनर-अप का खिताब हासिल किया। हाल ही में आयोजित कार्यक्रम में यंग इंडियंस भोपाल चैप्टर को प्रतिनिधित्व करने वाली छात्रा नौरीन फातिमा रिजवी ने क्षेत्रीय राउंड में अपनी स्टडी के अंतर्गत उत्तरपूर्वी राज्यों जैसे मेघालय, असम एवं अरुणाचल प्रदेश की चिकित्सा सेवाओं का अध्ययन किया। रिसर्च में छात्रा ने चुनौतियां के बारे में विस्तार से वर्णन किया एवं स्वास्थ्य के मुद्दों को चिन्हित किया। छात्रा ने अपने इनोवेटिव आइडिया के द्वारा मेंटल हेल्थ के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में विभिन्न शहरों से आए हुए युवा प्रतिनिधियों ने अपने इनोवेटिव सुधारों को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया, जिससे कि स्वास्थ्य के बारे में नए आयाम सामने आ सकें। विश्वास सारंग, कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा छात्रा को पुरस्कृत किया गया। इस उपलब्धि के लिए संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी एवं डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने छात्रा को बधाई दी है।

## विद्यार्थियों के हितों से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें: उच्च शिक्षा मंत्री

### शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल की सामान्य परिषद् की बैठक में कई निर्णय

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में भोपाल स्थित उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान की सामान्य परिषद् की बैठक हुई। बैठक में संस्थान की गतिविधियों, कार्यों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री परमार ने विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर विद्यार्थियों के समग्र विकास, बेहतर अध्ययन-अध्यापन, वार्षिक गतिविधियों एवं अकादमिक गुणवत्ता में उत्तरोत्तर सुधार के लिए आवश्यक क्रियान्वयन के लिए दिशा निर्देश दिए। मंत्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों के हितों से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें। वर्तमान परिदृश्य एवं उद्योग जगत की आवश्यकता अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें। परमार ने कहा कि संस्थान आदर्श रूप में स्थापित होकर अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए अभिप्रेरणा का केंद्र बने, ऐसी कार्ययोजना के साथ क्रियान्वयन करें। मंत्री परमार ने कहा कि संस्थान में उत्तरोत्तर गुणवत्ता वृद्धि हो, इससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। इस अवसर पर संस्थान के वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन का विमोचन किया गया। परमार ने उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के भारतीय ज्ञान परम्परा प्रतिष्ठा सांदीपनि कक्ष का उद्घाटन कर पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों का अवलोकन किया।

## पांचवें दिन होगी महाआरती, विधायक को आमंत्रण

**हिरदाराम नगर.** नवरात्रि पर विराट श्री मानव सेवा संस्था भंडारे का आयोजन करती है, जो साधु वासवानी कॉलेज के पास, संजय नगर संतनगर में तीन से 11 अक्टूबर तक हर दिन होगा। संस्था के अध्यक्ष रोहन केवल (रामू केवट) ने आयोजन में सहभागिता के लिए विधायक रामेश्वर शर्मा को आमंत्रण दिया। केवट ने बताया कि हर साल नवरात्रि में भंडारे का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करते हैं। नवरात्रि के 5वें दिन भव्य महाआरती का भी आयोजन होगा। भण्डारा संध्या आरती के बाद प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

### संत गर्ल्स कॉलेज की एनएसएस इकाई ने किया आयोजन

## छात्राओं ने दिया स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत का संदेश

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की एनएसएस यूनिट ने मंगलवार को स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत का संदेश देने मेन मार्केट में नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। नाटक में हमारे परिवेश में स्वच्छता बनाए रखने के महत्व को उजागर किया गया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ डालिमा परवानी ने कहा स्वच्छता एक मौलिक गुण है और स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का संदेश फैलाकर ये युवा नेता (एनएनएस स्वयं सेवक) एक स्वस्थ और अधिक जिम्मेदार समाज के निर्माण में मदद कर रहे हैं। कार्यक्रम अधिकारी प्रो विभा खरे ने भी अपने विचार रखे।

**इन छात्राओं ने किया अभिनय:** नाटक में आशका सिंह रघुवंशी, अनु अहिरवार, लीजा नायक, वंशिका होतवानी, दिव्या लालवानी, कनिका दासवानी, यशस्वी यादव, प्रिंसी वर्मा, उषा मालवीय, पायल जवारिया, रहमीन, माहिरा, सुभाना इनम खान, नीलू प्रजापति, खुशी शर्मा ने अभिनय किया। नाटक के मंचन से पहले स्वयंसेवकों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा की सफाई की। रैली निकाल स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया।

**मेट्रो एंकर** गांधी-शास्त्री की जयंती पर विद्यालयों में कार्यक्रम हुए

# बच्चों ने बापू और लाल बहादुर के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

शहीद हेमू कालानी एज्युकेशन सोसायटी की शिक्षण संस्थाओं में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने बापू एवं शास्त्रीजी को याद किया। नवनिध स्कूल बापू और शास्त्रीजी के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। संस्था के अध्यक्ष सिद्धभाऊजी ने अपने संदेश में कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें भी अपने राष्ट्र की उन्नति एवं मातृभूमि की रक्षा के लिए तन-मन समर्पित करने हेतु सदैव तैयार रहना चाहिए। छात्रा पल्लवी भदौरिया व शिक्षिका नेहा दादलानी ने महात्मा गांधी के जीवन दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्राओं ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्रीजी के जीवन के प्रेरक दृष्टांतों पर आधारित लघु नाटिका की प्रस्तुति दी। विद्यालय की प्राचार्य अमृता मोटवानी ने कहा बापू एवं शास्त्री के जीवन से निःस्वार्थ सेवा को अपनाकर अपने जीवन को सार्थक बनाने का आव्हान किया।

### भजन गाकर बापू का स्मरण

विद्यासागर पब्लिक स्कूल, राधीबाई हासोमल ख्यांतानी फाउंडेशन स्कूल एवं अर्जन हाथीरामानी मेमोरियल प्ले स्कूल में नन्हें मुन्ने बच्चों ने रघुपति राघव राजा राम भजन गाकर बापू-शास्त्री को याद किया। स्कूल प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी एवं विद्यासागर पब्लिक स्कूल के निदेशक भगवान दामानी ने कहा कि बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो और बुरा मत बोलो का बापू का पाठ बच्चों को पढ़ाया।एलसी जनयानी प्रबंधन सदस्य शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी ने भी अपने विचार रखे।

### बच्चों ने किया नाटक

चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल गाँधी नगर बापू-शास्त्री जयंती के अवसर पर दोनों ही महापुरुषों को याद किया। विद्यालय की प्राचार्या प्रिया जैन शर्मा व समन्वयक लता आसनानी ने बापू-शास्त्री के आदर्शों पर चलने का आव्हान किया। छात्राओं ने नाटक का भी मंचन किया।

### रक्तदान किया गया

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय में ऐच्छिक रक्त दान दिवस पर एनसीसी व एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया। जयप्रकाश चिकित्सालय, कॉलेज की हाईजिन समिति ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया था, जिसमें 20 से 25 यूनिट ब्लड स्टॉफ एवं स्टूडेंट्स डोनेट किया। शिविर की शुरूआत करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एके सिंह व उपप्राचार्या, नेहा संतानी , डायरेक्टर डीके दुबे ने की।

अमृत
Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation
सत्यमेव जयते
सत्यमेव जयते
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
स्वच्छता ही सेवा 2024
17 सितम्बर – 2 अक्टूबर 2024
स्वच्छ भारत निर्माण के संकल्प में
अग्रणी योगदान देता मध्यप्रदेश
स्वच्छता दिवस समारोह
स्वच्छ भारत मिशन एवं 'अमृत' योजना अंतर्गत
₹685 करोड़ की परियोजनाओं का
भूमिपूजन एवं लोकार्पण
आदर्श गौशाला, ग्वालियर के 100 टन क्षमता के बायो CNG प्लांट का उद्घाटन
प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
2 अक्टूबर, 2024 । प्रात: 10 बजे
कुशाभाऊ ठाकरे
अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल
अमृत 2.0 योजना - स्वच्छता एवं शहरी विकास को गति
इंदौर को लगातार सात बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का सम्मान, भोपाल बना देश की स्वच्छतम् राजधानी
सभी नगरीय निकायों में होगी जल प्रदाय सुविधा विकसित। 28 लाख घर होंगे लाभान्वित
एक लाख से अधिक आबादी वाले 33 शहरों को मिलेगी स्वच्छ जल आपूर्ति
2355 वृहद स्वच्छता सेवा अभियान, 2 लाख से अधिक सफाई मित्रों की स्वास्थ्य जांच
जल संरचनाओं का उन्नयन एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में होगा हरित क्षेत्रों का विकास
सभी 33 शहरों में 12 लाख से अधिक घर सीवर कनेक्शन से जुड़ेंगे
400 से अधिक गांवों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट का प्रबंधन कर अभियान की सफलता में अहम योगदान
D-11074/24
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश शासन

## संपादकीय

# जीवन और मजबूरियां

जीवन की अपनी हिलोर होती हैं उसके कई रंग होते हैं लेकिन मनुष्य की जिंदगी में कुछ ऐसी स्थितियां आ जाती हैं कि जीवन बेरंग हो जाता है और संबंधित के परिजन और इलाज कर रहे डाक्टर भी बेउम्मीद होने लगते हैं। ऐसे में बहुत नाजुक पल उभरते हैं, जब और ज्यादा इलाज की संभावना खत्म होने लगती हैं। इस मामले में फिर सरकार किसी फैसले पर पहुंचने की प्रक्रिया में नजर आती है। दरअसल, इच्छामृत्यु के अधिकार पर जारी बहस को अब फिर से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए गाइडलाइंस के मसौदे ने तेज कर दिया है। इंडियन मेडिकल असोसिएशन ने भी यह कहते हुए आपत्ति की है कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाए जाने का फैसला करने की जिम्मेदारी डॉक्टरों पर डालना ठीक नहीं है। इससे उन पर दबाव बढ़ जाएगा। इच्छा मृत्यु के भावनात्मक, कानूनी और चिकित्सकीय पहलू इससे जुड़े किसी भी मामले में फैसला लेना कठिन बना देते हैं। फिर भी फैसला तो करना ही होता है। सुप्रीम कोर्ट भी 2018 में निष्क्रिय इच्छा मृत्यु की कुछ शर्तों के साथ इजाजत दे चुका है। ऐसे में फैसले की प्रक्रिया जितनी स्पष्ट और परिभाषित होगी, फैसला लेना और उसे लागू करना उतना आसान होगा। सरकार की ओर से गाइडलाइंस जारी करने की पहल के पीछे यही सोच है। इन गाइडलाइंस के मसौदे को देखें तो इसमें यह प्रयास स्पष्ट नजर आता है कि फैसला कई स्तरों पर परखे जाने के बाद ही अमल में आए। इसके मुताबिक, लाइफ सपोर्ट सिस्टम की जरूरत और उसकी उपयोगिता पर फैसला करने वाले प्राइमरी मेडिकल बोर्ड में प्राइमरी फिजी?शयन के अलावा कम से कम दो ऐसे एक्सपर्ट होंगे, जिनके पास कम से कम 5 साल का अनुभव होगा। इसके बाद सेकंडरी मेडिकल बोर्ड इस फैसले की समीक्षा करेगा, जिसमें सीएमओ द्वारा मनोनीत एक रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर के अलावा दो एक्सपर्ट होंगे। इसके साथ ही पेशंट के परिवार की सहमति भी जरूरी होगी। केस की बारीकी के आधार पर निष्कर्ष तो आज भी डॉक्टरों का ही होता है, लेकिन वे पेशंट या परिजनों को पूरी स्थिति समझाते हैं और फिर पेशंट या परिवार फैसला करता है। फैसला करने से डॉक्टरों की हिचक समझी जा सकती है। दरअसल, यह प्रफेशन ही मरीजों को बचाने का है। डॉक्टर आखिरी पल तक मरीज को बचाने का प्रयास करते हैं, भले ही कुछ मामलों में यह कोशिश नाकाम हो जाए। ऐसे में इलाज के दौरान किसी खास बिंदु पर उन प्रयासों से हाथ खींचने का फैसला स्वाभाविक ही कई डॉक्टरों को अपने पेशे से अन्याय लग सकता है। मगर यहां कई पहलू हैं। सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि जीवन की गरिमा के साथ ही मौत की गरिमा का सवाल भी जुड़ा है। फिर संसाधनों के सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल की भी बात है। अगर किसी मरीज के ठीक होने की संभावना नहीं रह गई है तो उन मेडिकल संसाधनों का उपयोग ऐसे मरीज को बचाने में करना बेहतर है, जिसे बचाया जा सकता हो। बहरहाल, सरकार ने गाइडलाइंस के इस मसौदे पर 20 अक्टूबर तक सुझाव मांगे हैं। उम्मीद की जाए कि आने वाले तमाम सुझावों के बाद इनके परीक्षण और लागू करने के लिए बनी गाइडलाइन ज्यादा उपयुक्त और ज्यादा व्यावहारिक होगी। मगर जरूरी यह भी है कि सरकार हर पक्ष को खूब भलीभांति परखे और फिर अमल में लाए।

आप अंधकार से लड़ नहीं सकते। आपको रोशनी पैदा करनी होगी, और अंधकार चला जाएगा।

### आज का इतिहास

- 1263 स्कॉटिश-नॉर्वेजियन युद्ध-नॉर्वे और स्कॉटलैंड की सेनाओं ने लार्स की लड़ाई लड़ी, जो उत्तरी आयरशायर के लार्ग्स के वर्तमान शहर के पास एक अनिर्णायक सगाई थी।
- 1470 इंग्लैंड के राजा एडवर्ड चतुर्थ के साथ, रिचर्ड नेविल, वारविक के 16 वें अर्ल द्वारा आयोजित एक विद्रोह के बाद नीदरलैंड भागने के लिए मजबूर हो गए, हेनरी को इंग्लैंड के सिंहासन पर बहाल कर दिया गया।
- 1492 ब्रिटेन के राजा हेनरी सप्तम ने फ्रांस पर आक्रमण किया।
- 1535 फ्रांसीसी खोजकर्ता जैक्स कार्टियर सेंट लॉरेंस नदी के साथ रवाना हुए और अब मॉन्ट्रियल के रूप में जाना जाने वाले द्वीप पर इरोक्विस किलेदार गांव होचेलगा पहुंचे।
- 1787 मैग्डेन हाउस एम्स्टर्डम, नीदरलैंड में खोला गया।
- 1802 स्वीडन और त्रिपोली के बीच युद्ध समाप्त हो गया।
- 1804 ब्रिटेन फ्रांसीसी आक्रमण के खिलाफ रक्षा करने हेतु एकजुट हुई।
- 1813 पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय की फिलोथेथीन सोसाइटी की स्थापना की गई (संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे पुराना मौजूदा साहित्यिक समाज)।
- 1835 मैक्सिकन ड्रगों ने टेक्सास के गोंजालेस में बसने वालों को निहत्था करने के लिए भेज दिया, टेक्सास क्रांति के पहले सशस्त्र सगाई, बैटलोफ़ गोंजालेस में एक टेक्सियन मिलिशिया से कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा।
- 1889 वाशिंगटन, डीसी में, अमेरिकी राज्यों का पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू किया गया।
- 1895 पहला कार्टून कॉमिक स्ट्रिप पहली बार अखबार में प्रकाशित किया गया।

### कविता

## तुम कागज पर लिखते हो...

तुम काग़ज़ पर लिखते हो, वह सड़क झाड़ता है
तुम व्यापारी, वह धरती में बीज गाड़ता है,
एक आदमी घड़ी बनाता, एक बनाता चप्पल,
इसीलिए यह बड़ा और वह छोटा, इसमें क्या बल
सूत कातते थे गाँधी जी, कपड़ा बुनते थे ,
और कपास जुलाहों के जैसा ही, धुनते थे
चुनते थे अनाज के कंकर, चक्की पीसते थे
आश्रम के अनाज याने, आश्रम में पिसते थे
जिल्द बाँध लेना पुस्तक की, उनको आता था

-भवानी प्रसाद

# गांधीवादी मरहम की जरूरत है संकटग्रस्त दुनिया को

*किताबी ज्ञान न पाकर हाथ-पैरों का उपयोग कर सीखें अर्थात व्यावहारिक शिक्षा, जिससे दिमाग एवं मन और सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच नाता कायम होता है...*

■ अविजित पाठक

जब मैं मोहनदास करमचंद गांधी को याद करता हूं या उनकी लिखी किताबें 'द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ' और 'हिंद स्वराज' को विवेचनात्मक समझ के साथ पढ़कर, उनके विश्व-दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं, तो मेरे समक्ष विरोधाभास खड़ा हो जाता है। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसकी कठोर हकीकत पर सावधानीपूर्वक नज़र डालने से कह सकते हैं कि गांधी की भावना नकारी जा रही है। राजनीतिक अर्थव्यवस्था से लेकर संस्कृति एवं शिक्षा के क्षेत्रों तक में। फिर भी, इस तमाम नकारात्मकता के बावजूद, मुझे यकीन है कि जख्मी हुई इस दुनिया को बचाने और ठीक करने के लिए हमें उनके विचार के साथ गंभीर जुड़ाव बनाने की आवश्यकता है। जब मैं मौजूदा अति-आधुनिक/परम-राष्ट्रवादी काल में हमारी सामूहिक नियति पर नजर दौड़ाता हूं तो मुझे लगता है कि 'बढ़िया जीवनशैली' के मोहपाश में फंसकर हम अपनी पहचान को मुख्यतः बाजार-संचालित प्रचार से बहकाए गए बेलगाम उपभोक्तावाद और विशिष्टतावादी अहसास (जो चीज मेरे पास है वह किसी अन्य के पास नहीं) के खुमार में धुत्त एक अतिवादी योद्धा के रूप में परिवर्तित करते जा रहे हैं। जैसे-जैसे हम अनवरत उपभोग के सिद्धांत को आत्मसात करने लगे हैं जो कि नवउदारवादी बाजार के मूल सिद्धांत का एक तार्किक हश्र है हमारी जरूरतें बढ़ती जा रही हैं। हमारे अतृप्त लालच (अधिक कारें, अधिक उपकरण, अधिक खपत, अधिक बिजली, अधिक जीवाश्म ईंधन का धुआं, अधिक वनों की कटाई और इस तरह अधिक कार्बन उत्सर्जन) पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इसी तरह, जैसे-जैसे हम अधिक से अधिक परम-राष्ट्रवादी होते जा रहे हैं, हम दुनिया को और ज्यादा विभाजनों और खंडों में बांट रहे हैं। देखा जाए तो, खुद को हिंदू बनाम मुस्लिम या भारत बनाम पाकिस्तान या फिर इस्राइल बनाम फलस्तीन के संकीर्ण पालों से मुक्त रखना बेहद मुश्किल हो जाता है। हां, हम खुद को उस स्थिति में पाते हैं, जिसकी संज्ञा कई सामाजिक वैज्ञानिक 'जोखिमजदा समाज' के रूप में करते हैं एक ऐसा समाज जो युद्ध, सैन्यवाद, आतंकवाद, अधिनायकवाद, और सबसे अधिक, जलवायु आपातकाल से त्रस्त है। कोई शक नहीं, इस दुनिया में गांधीवादी भावना का ज़रा नामो-निशान बाकी नहीं है।

गांधी शायद हेनरी डेविड थोरो की भांति हमें अपनी कृत्रिम जरूरतें कम करने, आध्यात्मिक रूप से जाग्रत होकर सादगी पर जोर देने और पर्यावरणीय तंत्र के साथ समरसता बनाकर रहने का आग्रह करते हैं। गांधी हम से आंतरिक शक्ति, साहस, सत्य और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और अन्यायपूर्ण व्यवस्था (जैसे कि उपनिवेशवाद या जाति व्यवस्था) के विरुद्ध प्रतिरोध की कला का स्रोत अहिंसा, अपरिग्रह और सर्वोदय में खोजने का आह्वान करते हैं। संभवतः, गांधी की सोच के पीछे भगवद् गीता की कर्मयोग की धारणा और यीशु द्वारा पर्वत पर दिए अपने उपदेश में व्यक्त 'प्रेम की मुक्तिदायिनी शक्ति' का रचनात्मक

सम्मिश्रण था। इसके अलावा, औद्योगिक पूंजीवाद के संपूर्ण ढांचे की आलोचना करने के गांधी के तरीकों में 'दार्शनिक अराजकता' और रूमानियत के निशान खोजना कठिन नहीं है। हां, 'हिंद स्वराज' नामक अखबार में 'डॉक्टरों और वकीलों' पर की उनकी तीखी टिप्पणियां या काफी हद तक विकेन्द्रित ग्राम स्वराज के प्रति उनका लगाव यह दर्शाता है कि वे अपने वक्त में प्रचलित आधुनिकता की मानकीकृत धारणा से काफी अलग थे, चाहे यह बुर्जुआ औद्योगिक पूंजीवाद हो या मार्क्सवादी समाजवाद। इसी तरह, जैसा कि उन्होंने अपनी आत्मकथा में स्पष्टतया व्यक्त किया है, जॉन रस्किन ने जिस तरह से श्रम की गरिमा को महत्व दिया और दमनकारी युग्मक बौद्धिक बनाम शारीरिक- पर सवाल उठाया, उसका गहरा प्रभाव पड़ा। गांधी के विश्वदृष्टिकोण में किसान, बुनकर और बढ़ई डॉक्टरों और वकीलों से कम महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाते। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि 'नई तालीम' या बुनियादी शिक्षा के सिद्धांत में इस तरह की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया है, जिसमें विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान न पाकर हाथ- पैरों का उपयोग कर सीखें अर्थात व्यावहारिक शिक्षा, जिससे दिमाग एवं मन और सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच नाता कायम होता है। यह मत भूलिए कि गांधी ने खुद 1910-13 के दौरान, दक्षिण अफ्रीका के टॉलस्टॉय फार्म में अपने साथ रहने वाले बच्चों या युवा शिक्षार्थियों के साथ काम करते हुए, एक 'शिक्षक' के रूप में, इसका प्रयोग किया था।

यहां, मैं अक्सर खुद से एक सवाल पूछता हूं कि इस अशांत समय में गांधी को फिर से खोजना, उनके विचारों के साथ आलोचनात्मक और रचनात्मक प्रयोग करना और न्यायपूर्ण एवं मानवीय दुनिया बनाने के लिए व्यवहार का दर्शन विकसित करना क्या संभव है? खैर, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि गांधी के आलोचक भी बहुत थे। हम जानते हैं कि रजनी पाल्मे दत्त जैसे लोगों ने ऐतिहासिक भौतिकवाद के अपने मार्कसवादी सिद्धांत का इस्तेमाल करते हुए, गांधी के 'ग्राम स्वराज' या किसी किस्म के 'अहिंसक समाजवाद' को 'राम राज्य की रूमानी हसरतें' ठहराकर आलोचना की है। इसी तरह, जाति के सवाल पर डॉ. बीआर अंबेडकर कभी भी गांधी के दृष्टिकोण से सहज नहीं थे। और निश्चित रूप से, जैसा कि उनकी हत्या के पीछे की राजनीति से पता चलता है, उग्र हिंदू राष्ट्रवाद के हामियों का समूह गांधी और उनके अहिंसा और धार्मिक बहुलवाद के सिद्धांत से नफरत करता था। इन आलोचनाओं के बावजूद, तथ्य यह है कि गांधी से 'बचना' मुश्किल है। इसका कारण यह है कि हमारी आधुनिकता तर्क और मुक्ति के भव्य ज्ञानोदय वादों के बावजूद विफल रही है। हम सर्वव्यापी हिंसा के दौर में जी रहे हैं हिंसा जो तकनीकी-विज्ञान की है और इसकी यांत्रिक 'तर्कसंगतता' दुनिया को एक बड़े पैमाने की पर्यावरणीय आपदा की ओर ढकेल रही है, हिंसा जो निगरानी के नए उपकरणों से बनती है, जिसके माध्यम से आधुनिक राष्ट्र अपने नागरिकों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना चाहते हैं और यह लोकतंत्र के मौलिक सिद्धांतों का भी अवमूल्यन है, हिंसा जो धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद के विविध रूपों के एक साथ विकसित होने से बनती है, और सबसे ऊपर है, युद्ध का नियमितीकरण और सामान्यीकरण करना एक युद्ध दूसरी लड़ाई की ओर ले जाता है!

तथापि, वे सब जो इस विद्रूप स्थिति द्वारा पैदा नैराश्य के चलते पंगु होने से इनकार करते हैं और मानते हैं कि इस दुनिया को बचाना अभी भी संभव है, वे मिसाल योग्य बदलाव करने के पक्षधर हैं सत्ता की आक्रामकता से संवाद की सभ्यता की ओर, सब कुछ मेरा की बजाय बांटकर उपयोग करने की भावना बनाने की तरफ, धर्म को परम-राष्ट्रवाद के औजार के रूप में उपयोग करने की अपेक्षा प्रेम से परिपूर्ण सहृदयता एवं दूसरों को सहानुभूतिपूर्वक सुनने की योग्यता बनाने की ओर। या फिर उस दिशा में, जिसके लिए राजनीतिक दार्शनिक मार्था एकतरफा आर्थिक संपन्नता की बजाय शांति, समझौता एवं क्षमा को आत्मबल बनाने पर जोर देती हैं और अगर हम इस परिवर्तनकारी यात्रा पर निकलना चाहते हैं, तो हमें गांधी और उनके द्वारा सुझाई पर्यावरणीय सततता, शांतिपूर्ण एवं समतावादी दुनिया बनानी पड़ेगी। वह जो अत्यधिक केंद्रीकृत, सत्तावादी तंत्र की निष्ठुर शक्ति होने की बजाय लोगों के अंदर आत्मिक शक्ति बनाने पर जोर देने वाली हो। इस राह का कोई और विकल्प नहीं है। गांधी भले ही सर्वकला संपूर्ण नहीं थे, तो भी उनसे प्रभावित होने से बचा नहीं जा सकता।

**साभारः- लेखक समाजशास्त्री हैं।**

# विकास और विनाश के बीच पिसते बेजुबान
## शहरों की ओर आने को मजबूर जंगली जानवर

■ विनोद पाठक

प्रसिद्ध शिकारी एडवर्ड जेम्स 'जिम' कॉर्बेट का नाम आपने सुना होगा, जिनके नाम पर उत्तराखंड में नेशनल पार्क है। जिम कॉर्बेट शिकारी थे और वो इसलिए प्रसिद्ध हुए, क्योंकि उन्होंने 33 नरभक्षी बाघ और तेंदुओं को मारकर उत्तराखंड (तब यूनाइटेड प्रोविंस) के लोगों को आदमखोर जानवरों से निजात दिलाई थी। इन दिनों भी देश के अलग-अलग राज्यों में कई जानवर आदमखोर हो गए हैं। राजस्थान का उदयपुर हो या उत्तर प्रदेश का बहराइच और लखीमपुर खीरी, इंसान बाघ, तेंदुओं और भेड़ियों से भयभीत है। आखिर क्या कारण है, जो वन्यजीव इंसानी खून के प्यासे हो गए हैं और मानव का शिकार करने निकल पड़े हैं? उदयपुर में इन दिनों तेंदुए ने आतंक मचाया हुआ है। वो अब तक सात लोगों की जान ले चुका है। वन्य विभाग इस आदमखोर तेंदुए को पकड़ने में नाकाम रहा है, क्योंकि अब तक उसने जो तेंदुए पकड़े गए हैं, वो संभवतः आदमखोर नहीं थे, क्योंकि उनके पकड़े जाने के बाद भी इंसानों का मरना जारी है। उदयपुर जैसी ही कहानी उत्तर प्रदेश के बहराइच की भी है, जहां आदमखोर बन चुके भेड़िए आए दिन शिकार कर रहे हैं। उन्होंने कई बच्चों को अपना निशाना बनाया है। दर्जनों लोग उनके हमले में घायल हो चुके हैं। वन विभाग ने कई भेड़िए पकड़े हैं, लेकिन आतंक रुकने का नाम नहीं ले रहा। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में एक बाघ का आतंक लगातार बढ़ रहा है।

जंगली जानवरों के आदमखोर बनने के पीछे कई वजह हैं। मुख्य रूप से जंगलों का सिकुड़ना और शिकार की उपलब्धता कम होना एक मुख्य कारण

है। जंगलों के आसपास या जंगलों के भीतर तक इंसान ने अपनी बस्तियां बसा रखी हैं। इंसान की गतिविधियां जंगल में बहुत तेजी से बढ़ रही हैं। जब जंगली जानवर को वनक्षेत्र में पर्याप्त शिकार नहीं मिलता है तो वो इंसानी बस्तियों की ओर रुख करता है और इंसान को अपना शिकार बना लेता है। कुछ वृद्ध जानवर भी इंसानों का शिकार करते हैं। इंसान ने अपने लिए कानून बनाए हैं, लेकिन जंगल का अपना कानून होता है। जंगली जानवर को अपने क्षेत्र में हस्तक्षेप निश्चित रूप से बर्दाश्त नहीं होता। हालांकि, जब कोई जंगली जानवर आदमखोर हो जाता है तो इंसान या तो उसे पकड़कर पिंजरों में डाल देता है या उसे मार डालता है। आदमखोर जानवरों को मारने के लिए कानून भी है, जिसके तहत किसी जानवर को आदमखोर घोषित किया जा सकता है। वाइल्ड लाइफ एक्ट 1972 के सेक्शन 11 के अनुसार ऐसा जानवर जो इंसानों के जीवन के लिए खतरा हो गया है, उसे आदमखोर बताकर मारा जा सकता है।

देश की आबादी लगातार बढ़ रही है। विकास की अंधाधुंध दौड़ में इंसान जंगलों को लगभग काट चुका है। आखिर जानवर जाएं तो जाएं कहां? कभी भारत में जंगल ही जंगल थे, लेकिन आज देश में जानवरों के लिए चंद नेशनल पार्क बनाकर छोड़ दिए गए हैं, लेकिन इनमें भी इंसान ने अतिक्रमण कर रखा है। सरकारें ऐसे अतिक्रमणों पर अब तक कोई भी ठोस कदम नहीं उठा सकी हैं। जब भी आदमखोर जानवरों द्वारा कोई घटना होती है तो वन विभाग चंद दिनों के लिए पिंजरे लगाकर जानवरों को पकड़ या मारकर अपने काम से इतिश्री कर लेता है। जंगल का भी अपना एक नियम है, जिसे समझने में इंसान अब तक असफल ही रहा है। आखिर जानवरों को भी पृथ्वी पर रहने का उतना ही अधिकार है, जितना इंसानों को है। यदि जानवर नहीं रहेंगे तो पृथ्वी का संतुलन बिगड़ जाएगा। पहले ही बड़ी संख्या में वन्यजीव विलुप्त हो चुके हैं और कई विलुप्त होने की कगार पर हैं। सरकारों को केवल कानून बनाकर अपने काम की इतिश्री नहीं करनी चाहिए। कानूनों की सख्ती से पालना और मॉनिटरिंग की आवश्यकता है। ईमानदारी से जानवरों को उनका इलाका सौंपने की जरूरत है। यदि ऐसा न हुआ और विकास की अंधी दौड़ चलती रही तो वन्यजीवों का आदमखोर बनना जारी रहेगा। इंसान और जानवरों की लड़ाई यूं ही चलती रहेगी।

**- साभार**

## सबसे विशालः गरुड़ पर सवार विष्णु

बाली, इंडोनेशिया के गरुड़ विष्णु केनकाना सांस्कृतिक पार्क में स्थित यह गरुड़ विष्णु केनकाना मूर्ति (जिसे 'जीडब्ल्यूके' भी कहा जाता है) इंडोनेशिया की सबसे ऊंची मूर्ति है। इसे 1990 में न्योमन नुआर्टा ने डिजाइन किया था, जबकि निर्माण कार्य 1997 में शुरू हुआ था। मूर्ति का डिजाइन हिंदू धर्म की जिस पौराणिक कथा से प्रेरित है, उसके अनुसार गरुड़ ने अपनी मां को सांपों की मां कद्रू की दासता से मुक्ति दिलाने के लिए अमृत कलश देवताओं से ले लिया था और भगवान विष्णु ने गरुड़ की मातृभक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें सदैव वाहन के रूप में साथ रखना स्वीकार किया था।

# आयुध निर्माणी में हुआ विरोध प्रदर्शन

**इटारसी।** आयुध निर्माणी कर्मचारी संघ द्वारा मंगलवार को आयुध निर्माणी के निगमीकरण दिवस का विरोध में सभी कर्मचारियों को ब्लैक बैचेज लगाकर एवं निगमीकरण के विरोध में नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2021 को आयुध निर्माणियों को सात अलग-अलग कॉरपोरेशन (निगमों) में विभाजित कर दिया गया है, जिसके कारण निर्माणी एवं निर्माणी के कर्मचारियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है जैसे पर्याप्त वर्कलोड का ना होना, अनुकंपा नियुक्ति, आवास संबंधित समस्याएं जैसी अन्य समस्याओं को लेकर कर्मचारियों ने अपना विरोध प्रदर्शन किया। जिसमें यूनियन के अध्यक्ष अतुल सिंह कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र मेघवाल महामंत्री कुलदीप चौधरी सहसचिव देवेंद्र चौधरी, हमीर सिंह आदि मुख रूप से शामिल हुए।

## भट्टी हाईस्कूल के छात्र ललित राज्य स्तरीय रूरल आईटी क्विज में उपविजेता

**नर्मदापुरम।** संभागीय उपायुक्त अनुसूचित जाति तथा जनजातीय कार्य नर्मदापुरम जे.पी. तिवारी ने बताया कि टाटा कंसल्टेनसी सर्विस तथा सूचना प्रौधोगिकी, बायो टेक्नालाजी एवं विज्ञान तकनीकी विभाग कर्नाटक सरकार द्वारा मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्र में अध्ययनरत् कक्षा 8वी से 12वी के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को साईस एडं टेक्नालाजी की ओर प्रेरित करने के लिए राज्य लेवल पर रूरल आईटी राज्य स्तरीय क्विज 30 सितंबर को भोपाल में आयोजित की गई थी। बताया गया कि इस स्पर्धा में मध्य प्रदेश के लगभग सभी जिलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय स्पर्धा दो चरणों में आयोजित की गई। पहले चरण में राज्य भर से आये सभी विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा ली गई। इस परीक्षा में शीर्ष 6 स्थानों पर रहे विद्यार्थियों को मंच पर आयोजित क्विज में भाग लेने का मौका मिला। राज्य स्तरीय क्विज में नर्मदापुरम जिले के हाईस्कूल भट्टी के 6 विद्यार्थियों, ललित कुमार यादव, कुणाल सिंह राजपूत, प्रतीज्ञा यादव, मोहिनी यादव, उदय सिंह तोमर कक्षा सम्मिलित हुए। लिखित परीक्षा के बाद ललित कुमार यादव ने प्रथम स्थान पर आये। 6 प्रतिभागियों में अपना स्थान बनाकर मंचीय क्विज में भाग लिया। 6 राउंड प्रश्नों में से 5 राउंड प्रश्नों के सही जवाब देकर ललित कुमार यादव राज्य स्तरीय रूरल आई.टी. क्विज के उपविजेता बने। पुरस्कार स्वरूप सात हजार रूपये तथा प्रशस्ति पत्र अतिथियों के हाथों प्राप्त हुआ। ललित यादव की इस उपलब्धि पर विद्यालय में हर्ष है। संभागीय उपायुक्त जे.पी. यादव, प्रभारी सहायक आयुक्त संजय कुमार द्विवेदी ने ललित कुमार यादव को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामनाएं दी।

### जनसुनवाई में 129 आवेदनों पर हुई कार्यवाही

# कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं व शिकायतें निराकरण के दिए निर्देश

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।**

कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई कक्ष में मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन कर आम जनों की समस्याओं का निराकरण किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। कलेक्टर ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए, इसके लिए सभी अधिकारी तत्परता से कार्य करें तथा आवश्यकता पड़ने पर जमीनी स्तर पर समस्याओं का वास्तविक परीक्षण कर उनका निराकरण करें।

जनसुनवाई के दौरान पिपरिया निवासी शशि चौहान पति स्वर्गीय हरि नारायण सिंह चौहान द्वारा आवेदन दिया गया। आवेदन में उन्होंने उल्लेख किया है कि उनके पति का निधन 26 नवंबर 2023 को हो गया था एवं भारतीय स्टेट बैंक से पेंशन प्राप्त कर रहे थे किंतु उनकी मृत्यु के उपरांत पेंशन पत्नी के खाते में आने के स्थान पर एक जैसे नाम वाले किसी दूसरे व्यक्ति के खाते में जमा हो रही है। बैंक द्वारा उक्त संबंध में होल्ड लगाया हुआ है जिससे पेंशन का भुगतान विगत माहों से रुका हुआ है। आवेदनकर्ता ने पेंशन सही खाते में जमा करवाने के लिए आवेदन किया है। उक्त संबंध में कलेक्टर द्वारा पेंशन अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि संबंधित बैंक से समन्वय कर शीघ्र ही पेंशन भुगतान करवाया जाए। इसी प्रकार सुहागपुर तहसील अंतर्गत ग्राम नया नंदर निवासी श्रीमती जिजिया बाई ने पति की मृत्यु उपरांत संबल योजना के तहत अनुग्रह राशि दिलवाने के लिए कलेक्टर के समक्ष अर्जी प्रस्तुत की जिस पर कार्रवाई करते हुए कलेक्टर ने श्रम विभाग को निर्देशित किया है कि प्रकरण में आवश्यक जांच कर आवेदनकर्ता को नियमानुसार राशि उपबंध करवाई जाए।

जनसुनवाई में आदर्श नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी शकुंतला व्यास द्वारा आवेदन किया गया है कि उनके पुत्र एक मानसिक रोग से विगत 15 वर्षों से ग्रस्त थे जिसका इलाज कई बार किया जा चुका है परंतु किसी भी प्रकार का फायदा नहीं मिला है। आवेदन करता व्यास ने कलेक्टर से उनके पुत्र का मेडिकल बोर्ड द्वारा परीक्षण कर मानसिक रोग विकलांगता का प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन दिया है।

कलेक्टर ने सीएमएचओ नर्मदापुरम से उक्त संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है। सुखतवा ग्राम के निवासी आर एस राठौड़ ने समस्त ग्राम वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन अंतर्गत जलापूर्ति के लिए आवेदन किया है। आवेदन में उन्होंने बताया कि ग्राम सुखतवा में टंकी का कार्य व पाइपलाइन का कार्य पूर्ण पूर्ण हो चुका है परंतु घरों में पानी की आपूर्ति अभी तक सुचारू रूप से प्रारंभ नहीं हुई है। कलेक्टर ने ईई पीएचई को निर्देशित किया है कि ग्रामवासियों की जल आपूर्ति संबंधी समस्या का शीघ्र निराकरण करते हुए उक्त संबंध में जानकारी प्रस्तुत करें।

## नर्मदा कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ हर्ने सेवानिवृत

**नर्मदापुरम।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एस सी हर्ने अपने 41 वर्षों की सेवाकाल के उपरांत 30 सितंबर को सेवानिवृत हुए। उन्होंने अपना कार्यकाल 1983 में शासकीय महाविद्यालय बरेली से प्रारंभ किया था। वाणिज्य विषय में 15 से अधिक शोधार्थियों के शोध कार्य में निदेशक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वाहन किया तथा पांच पुस्तकों का लेखन कार्य भी किया। डॉ हर्ने बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल में वाणिज्य विषय के पाठ्यक्रम संयोजन समिति के सदस्य भी रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंडित भवानी शंकर शर्मा ने डॉ. हर्ने को एक कुशल शिक्षक बताया। प्राचार्य डॉ अमिता जोशी ने उन्हें बहुमुखी प्रतिभा के धनी कहा। डॉ हंसा व्यास ने कार्यक्रम का संचालन किया।

## नवागत बीआर सी गोलानी का शिक्षक संगठन ने किया स्वागत

**नर्मदापुरम।** शासकीय शिक्षक संगठन के द्वारा नर्मदापुरम की नवागत बीआरसी श्रीमती सपना गोलानी एवं जिला परियोजना समन्वयक राजेश जायसवाल का स्वागत सम्मान किया गया. इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष राजेश पांडे, जिला अध्यक्ष महेश विश्वकर्मा, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा ममता कामले, आर बी पाण्डेय,आर के गौर, अरुण रघुवंशी, शैलेंद्र तिवारी उपस्थित रहे।

## नर्मदापुरम मण्डी में मनाया गया स्वच्छता अभियान

नर्मदापुरम। कृषि उपज मण्डी नर्मदापुरम में स्वच्छता अभियान अतंर्गत फल - सब्जी मण्डी प्रांगण नर्मदापुरम में मंगलवार को प्रातः 9.00 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक मण्डी कर्मचारियों, सुरक्षा गार्ड एवं सब्जी कुछ व्यावसाईयों द्वारा फल-सब्जी शैड शैडों ओर दुकानों के पीछे बीच में लगी हुई राड़ी-झाड़ियों इत्यादि को श्रमदान कर साफ-सफाई की गई।

## बिना तलाक के दूसरा निकाह करने पर महिला को 1 वर्ष की कारावास

**सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।**

सिवनी मालवा न्यायालय में चल रहे 494 भारतीय दंड विधान के प्रकरण में प्रथम श्रेणी न्यायाधीश साहंगी दुग्गल ने महिला को पहले पति के होते हुए बिना तलाक दिये दुसरा निकाह करने पर एक साल का कारावास और एक हजार रुपये के अर्थ दंड से दंडित किया। स्थानीय न्यायालय में परिवादी गफ्फार खान निवासी नंदरवाड़ा तहसील सिवनी मालवा ने अपनी पत्नी आलिया बी के विरुद्ध परिवाद प्रस्तुत किया था कि उसकी पत्नी ने उससे विधिवत तलाक ना लेते हुए अपने दूसरे पति आसिक खान निवासी अन्नापुरा जिला हरदा के साथ निकाह करके रह रही है। परिवाद प्रकरण क्रमांक 06/2019 पर सुनवाई करते हुए प्रथम श्रेणी न्यायाधीश श्री मती साहंगी दुग्गल ने आलिया बी को धारा 494 भारतीय दंड विधान के अंतर्गत दोषी मानते हुए एक साल के कारावास और एक हजार रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया।

## स्वच्छता अभियान के तहत न्यायाधीशों ने की सफाई

**सिवनी मालवा।** शासन द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत न्यायाधीशों ने न्यायालय परिसर में साफ सफाई कर परिसर में झाड़ू लगा कर सफाई की। शासन द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत न्यायालय परिसर में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तबस्सुम खान, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी साहंगी दुग्गल, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सरोज डेहरिया ने साफ सफाई अभियान चला कर अपने हाथों में झाड़ू लेकर परिसर में झाड़ू लगाई। जिला एवं अपर न्यायाधीश मती तबस्सुम खान ने कहा कि हमे अपने आस पास साफ सफाई रखना जरूरी है। सफाई रहने से हमे बीमारियों से मुक्ति मिलती है। रोगो के होने का सबसे बड़ा कारण आस पास गंदगी होना है।

## नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु वितरण किए गए थैले

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।**

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता की थीम पर आधारित 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक शासन के निर्देश अनुसार कार्यालय नगर परिषद बनखेड़ी द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत गत दिवस 30 सितम्बर को नगर परिषद अध्यक्ष हरीश मालानी एवं संतोष रघुवंशी मुख्य नगर पालिका अधिकारी के मार्गदर्शन में, नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए सब्जी क्रय करने आए नागरिकों को थैला वितरण किए गए एवं नगर में स्ट्रीट फूड्स की दुकानों को पर डस्टबिन वितरण किए गए।

### मेट्रो एंकर | अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समाज सेवियों का किया सम्मान

# युवाओं के भविष्य निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों का अनुभव महत्वपूर्ण

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।**

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत नर्मदा महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस अवसर पर वृद्ध जनों के प्रति युवाओं का दायित्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता भी कराई गई। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में सामाजिक संस्थान, शिक्षा, साहित्य आदि क्षेत्रों में सक्रिय वृद्धजनों में शिक्षाविद डॉ. एल. एल. शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार गिरिमोहन गुरु एवं समाजसेवी पं. उमाशंकर चौबे को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय योगदान के लिए डॉ. राजेश दीवान एवं डॉ. रवि उपाध्याय ने शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का बीज वक्तव्य प्रो. के.जी. मिश्र, अध्यक्ष हिंदी विभाग ने दिया। उन्होंने बताया कि वृद्ध जनों की सेवा करके ही युवा ज्ञान और यश प्राप्त कर सकता है। पं. उमाशंकर चौबे ने विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि श्रमदान से बढ़कर कोई दान नहीं है तथा स्वच्छता में ही ईश्वर का वास होता है। पं. गिरि मोहन गुरु ने अपनी बात काव्यात्मक रूप में प्रस्तुत करते हुए मानव जीवन में प्रेम और सकारात्मकता का संदेश दिया।

पूर्व प्राचार्य प्रो. एल. एल शर्मा ने महाविद्यालय से जुड़े अपने संस्मरण सुनाते हुए विद्यार्थियों को अपने जीवन में स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेने एवं देश सेवा के पथ पर आगे बढ़ने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ.अमिता जोशी ने कहा कि हमारा प्रारब्ध ज्ञान और पुण्य से बनता है अतः युवा पीढ़ी को अपने वृद्ध जनों की सेवा कर उनके अनुभवों का ज्ञान एवं पुण्य प्राप्त करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश श्रीवास्तव ने किया एवं आभार प्रदर्शन प्रो. हंस व्यास का रहा। भाषण प्रतियोगिता में राजकुमार चौहान प्रथम, सलोनी द्वितीय एवं दुर्गा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

# उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन में उद्यमियों को किया सम्मानित, स्वदेशी का दिलाया संकल्प

## देश में नौकरियां सीमित हैं, स्वरोजगार की तरफ बढ़े विद्यार्थी : श्रीवास्तव

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

मंगलवार को स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में स्वावलंबी भारत अभियान के तहत नगर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ कार्य क्रम में आए हुए अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। वही कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में आए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचार प्रमुख शरद श्रीवास्तव ने कहा की हमे स्व से स्वावलंबन की राह अपनानी होगी। उन्होंने कहा देश में नौकरियां सीमित मात्रा में है, विद्यार्थियों और युवाओं को चाहिए की वह स्वरोजगार की तरफ बढ़े एवं पढ़ाई के साथ साथ कोई कौशल सीख कर कुछ कमाना प्रारंभ करें, तभी भारत से बेरोजगारी समस्या का समाधान निकलेगा, नौकरी की चाहत रखने वालों की जगह नौकरी देने वाले बने। आज करोड़ों की तादात में युवा नौकरी के लिए भटक रहा है, वर्तमान में जरूरी है कि हम शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ कमाई के क्षेत्र में भी आग बढ़ें। वही कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए स्वावलंबी भारत अभियान के जिला पूर्णकालिक अंकित पाठक ने विद्यार्थियों को बताया की कैसे पढ़ाई के साथ कमाई की जा सकती है। उन्होंने कई उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को कमाई के विकल्प बताए। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर काफी देर तक चर्चा की और उन्हें

बताया कि जीवन में स्वरोजगार नौकरी नहीं, बल्कि स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर दूसरों को नौकरी देना है। इस दौरान कार्यक्रम के विशेष अतिथि कुशल व्यवसाई श्रवण लखपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की पहले मैं भी नौकरी की तलाश में भटक रहा था लेकिन बाद में मुझे लगा कि क्यों ना अपना स्वयं का व्यवसाय किया जाए, आज मैंने अपना स्वयं का व्यवसाय किया तो प्रतिवर्ष लाखों का टर्नओवर है। आज मेरे नीचे कई लोग काम कर रहे हैं।

वहीं उन्होंने अपने जीजा जी का उदाहरण देते हुए कहा कि वह एक कंपनी में दो लाख रुपए महीने की नौकरी पर कार्य कर रहे थे, लेकिन नौकरी छोड़कर उन्होंने अपना खुद का व्यवसाय स्थापित किया तो आज सलाना 10 करोड़ का टर्नओवर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में आत्मनिर्भर भारत के लिए हम सबको आगे आकर स्वयं के रोजगार स्थापित करने होंगे। हम किसी के पास नौकरी ना करें बल्कि लोग हमारे पास आकर नौकरी करें हमें इस तरह के प्रयास करने की आवश्यकता है। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे व्यवस्थापक नरेंद्र दांगी ने कहा कि विद्यार्थियों को मेहनत करनी चाहिए कठिन परिश्रम से ही आप जीवन में सफलता हासिल कर सकते।

इस अवसर पर पढ़ाई के साथ साथ कमाई कर रहे विद्यार्थियों का सम्मान किया। वही कार्यक्रम में मंच संचालन स्वदेशी जागरण मंच के जिला प्रचार प्रमुख प्रमोद रघुवंशी ने किया। इस अवसर जिला सहसंयोजक चरण सिंह रघुवंशी, विद्यालय प्राचार्य संजय पाराशर, विद्यालय परिवार सहित बड़ी संख्या विधार्थी मौजूद रहे।

# गौशालाओं के संचालन में हो रही है खानापूर्ति जांच

## व्यवस्था करवाने की मांग, एसडीएम को दिया ज्ञापन

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

बजरंग दल विश्व परिषद के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन देते हुए कहा कि विकासखंड में संचारित होने वाली ज्यादातर गौशालाओं की स्थिति बहुत ही दयनीय हो गई यहां पर साफ सफाई से लेकर चारे भूसे के इंतजाम भी नहीं है स्थानीय समितियां के द्वारा इनका संचालन करके सिर्फ गोलमाल किया जा रहा है। जांच करवा कर लापरवाही से काम करने वाली समितियां पर कार्रवाई करके अच्छे से काम करने वाली समितियां को शामिल करने की मांग रखते हुए श्री शाक्य में एसडीएम से कहा कि शासन के द्वारा गौशालाओं का संचालन स्थानीय समितियां के माध्यम से करवाया जा रहा है। लेकिन विकासखंड की अधिकांश गौशालयों की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है अधिकांश गौशालाओं का संचालन करने के नाम पर खाना पूर्ति करके गोलमाल किया जा रहा है। दिखावे के लिए जब भी कोई अधिकारी बाहर से इनको देखने के लिए आता है तो ~~स्थानीय समितियां के द्वारा~~ अपने मवेशी को इनमें शामिल करके संख्या बल पूरा कर दिया जाता है। जमीनी हालात कुछ ओर ही है गौशाला में साफ सफाई से लेकर पानी की व्यवस्था भी कई जगह नहीं है चार भूसे के इंतजाम भी नहीं है इस वजह से मवेशी भूख प्यास के कारण तड़प रहे हैं।

# सिरोंज में ईद मिलादुन्नबी के जलसे का आयोजन

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

सीरत-उन-नबी के मौके पर पिछले कई सालों से बड़े ही धूम-धाम से जलसों का आयोजन होता आ रहा है इसी क्रम में 27 सितंबर सोमवार रात मस्जिद दरीवालान में ईद मिलादुन्नबी के मौके पर सीरत कमेटी दरीवालान द्वारा जलसे का आयोजन किया गया। जलसा शुरू होने से पहले मेहमानों का साफा बांधकर गर्म जोशी से स्वागत किया गया जलसे की अध्यक्षता मौलाना जुबेर साहब नायब मोहतमिम मदरसा रियाजुल इस्लाम ने की। जलसे का आगाज मुफ्ती हाफिज अहमद कासमी ने कुरान की तिलावत से कर जलसे में चार चांद लगा दिए जिसके बाद टोंक से तशरीफ लाए कारी कारी रजा उर्राहमान रहमान ने नात पेशकर महोल को और भी खुशनुमा बना दिया जलसे की निजामत के फराइज को मुफ्ती अली अहमद कासमी ने अंजाम दिया। मुफ्ती हफीज अहमद कासमी ने अपने बयान में कहा नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने जिन बातों के करने का हुक्म दिया उन पर अमल करें और जिन बातों से मना किया उनसे बचें यही हुब्बे नवबीऔर इश्क हकीकी है सिर्फ जुबानी मोहब्बत से कुछ फायदा नहीं होगा।मंडी बामोरा सीहोरा से तशरीफ लाए मुफ्ती मोहम्मद यूसुफ फारूकी ने कहा जिसने मेरी सुन्नत से मोहब्बत की उसने मुझसे मोहब्बत की और कल वो जन्नत में मेरे साथ होगा। गुना से तशरीफ लाए मेहमान खूसूसी मुफ्ती कलीम उल्लाह कासमी ने कहा शादी सुन्नत तरीको से करने के लिए कहा शराब जैसी बुराइयों को जड़ से मिटाए शराब घर समाज को बर्बाद कर रहा है नौजवानों को इससे बचने के लिए कहा जलसे का समापन मौलाना जुबेर साहब दुआ के साथ हुआ, जिसमें सभी ने देश और समाज की खुशहाली की कामना की।

## भाजपा कार्यकर्ताओं ने चलाया स्वच्छता अभियान, महापुरुषों की प्रतिमा का माल्यार्पण

# स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न अंग, पीएम ने देशवासियों में जगाई अलख : उमाकांत

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा नदी,अस्पताल एवं प्रमुख चौक चौराहों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। विधायक उमाकांत शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस महाभियान में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता करते हुए आम नागरिकों को अपना घर परिवार आसपड़ोस मोहल्लों को साफ सुथरा रखने की अपील की।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के एक दिन पूर्व प्रदेश संगठन द्वारा सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पहले से निर्धारित कार्यक्रमों की श्रंखला में मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ विधायक उमाकांत शर्मा दोपहर में पचकुइयां स्थित केथन घाट पहुंचे तथा सामूहिक रूप से नदी में फैले कचरे को साफ करके नदी को निर्मल बनाने में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता का आव्हान किया।

इस अवसर पर नागरिकों एवं पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा की हम समय समय पर ऐसे अभियान चलाकर आम नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास करते है किंतु नदिया मानव जीवन की आधार रेखा ही जिनके बिना मानव जीवन की कल्पना करना बेमानी है। इसके साथ ही हमने लक्ष्य लिया है की केथन नदी के किनारे यह जो मैदान है जिस पर आतिशबाजी का बाजार लगता है तथा पूर्व में यहां त्योहारों पर मेला भी लगता था इस मैदान को कचरे से मुक्त करते हुए आज हम इस मैदान का समतलीकरण एवं गंदे बहने वाले पानी के नाले को बंद करके सुंदर मैदान तैयार करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वस्थ एवं स्वच्छ भारत बनाने का जो संकल्प लिया है वह हम सबकी जिम्मेदारी भी है। अभियान के दौरान भाजपा के जनप्रतिनिधियों एवं नपा के स्वच्छाता मित्रो ने कचरे की सफाई की। इस दौरान जेसीबी मशीन से केथन सुंदरी घाट के आगे नदी में पनप रही जलकुंभी की भी सफाई की गई।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ, पार्षद सचिन शर्मा, बलजीत यादव, सीएमओ रामप्रकाश साहू, स्वच्छता अधिकारी धीरज मैना,नरेंद्र पाटीदार, आदि उपस्थित रहे।

**स्वतंत्रता सेनानियो की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण** : गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर सायं 5 बजे विधायक उमाकांत शर्मा ने स्थानीय बस स्टैंड पर स्थापित स्वतंत्रता सेनानी तात्या टोपे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका देश की आजादी में दिए गए योगदान का स्मरण किया। इसके उपरांत सभी भाजपा कार्यकर्ता छतरी चौराहे पर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थल पहुंचे। उनको माल्यार्पण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पूर्व भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रतिमाओं की धुलाई एवं स्वच्छता की। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

### आज होगा स्वच्छता मित्रो का सम्मान

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता बनाने में दिन रात अथक परिश्रम करने वाले स्वच्छता मित्रो के सम्मान की भी घोषणा की। मंगलवार को पचकुईया क्षेत्र में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में उन्होंने नपाध्यक्ष मनमोहन साहू को सम्मान कार्यक्रम आयोजित कर सम्मान करने के निर्देश देते हुए कहा की देश में स्वच्छता की अलख जगाने वाले महात्मा गांधी को प्रधानमंत्री ने ब्रांड अम्बेसडर बनाया है। उन्ही के पदचिन्हों पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 में सबसे पहले देश को गंदगी से मुक्त करने का संकल्प लेते हुए आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया था और जिसका सकारात्मक परिणाम आज हम सबके सामने है। इस अभियान में हमारे स्वच्छता मित्रो का बहुत बड़ा योगदान है विपरीत मौसम में भी यह हमारे शहर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करते हैं।

## लटेरी के बरखेडाघोषी के ग्राम रोजगार सहायक की सेवाएं समाप्ति का आदेश

**सिरोंज।** जिला पंचायत पंकज जैन ने शासकीय व वित्तीय कार्यो में अनियमितता बरतने, गंभीर अनुशासनहीनता करने के फलस्वरूप युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर प्रदाय करने के पश्चात लटेरी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बरखेडाघोषी के ग्राम रोजगार सहायक सीताराम ठाकुर की संविदा सेवाएं समाप्ति का आदेश जारी कर दिया है।

# बहुमूल्य भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की पहल पर विदिशा शहर के जतरापुरा रोड श्री रामलीला मैदान के पीछे विपणन संघ खाद्य गोदाम की रिक्त शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण को गत दिवस अतिक्रमणकर्ता से मुक्त कराई गई है। अतिक्रमक से भूमि को मुक्त कराने के कार्यो का संपादन करने वाले विदिशा तहसीलदार डॉ अमित सिंह ने बताया कि अतिक्रमणधारक नंदलाल यादव से मुक्त कराई गई है। जिला विपणन अधिकारी श्री कल्याण सिंह ने बताया कि मुक्त कराई गई भूमि पर शीघ्र ही विपणन संघ कार्यालय एवं कृषि सेवा केन्द्र रिटेल काउंटर दुकानो का निर्माण कराया जाएगा।

अतिक्रमण से मुक्त कराई गई ढाई हजार स्क्वायर फिट जमीन को जिला विपणन संघ अधिकारी के द्वारा कब्जा संबंधी प्रक्रिया पूरी कराई गई है। अतिक्रमणकर्ता के खिलाफ विदिशा शहरी तहसीलदार डॉ अमित सिंह के द्वारा जारी बेदखली आदेश अनुसार अनावेदक सुन्दर यादव पुत्र नन्ने यादव निवासी विदिशा को मप्र राज्य सहकारी विपणन संघ जिला विदिशा की भूमि कस्बा विदिशा स्थित भूमि सर्वे नम्बर 1770 व 1771 कुल रकवा 1.046 हेक्टेयर में से रिक्त भूमि पर से बेदखली करते हुए अर्थदण्ड पचास हजार रूपए अर्थदण्ड आरोपित किया है तथा बेदखली आदेश दिनांक से अतिक्रमण हटाए जाने तक प्रतिदिन के मान से अर्थदण्ड पांच सौ रूपए अतिरिक्त रूप से आरोपित किया गया है। अनावेदक बेदखली दिनांक से तीन दिवस के अन्दर अतिक्रमित भूमि पर से अवैध कब्जा हटाने का आदेश दिया गया था किन्तु कार्यवाही नहीं करने के फलस्वरूप मप्र भू राजस्व संहिता के तहत राजस्व अधिकारियों के द्वारा अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की गई है।

**मेट्रो एंकर** भाजपा सदस्यता अभियान में कुरवाई हो नंबर वन, कार्यकर्ता तेजी से जुट जाएं : हरिसिंह सप्रे

# भाजपा सदस्यता अभियान के तहत विधायक ने की समीक्षा बैठक

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

मंगलवार को पथरिया मंडल में भाजपा सदस्यता अभियान के मद्देनजर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैठक का शुभारंभ कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे, सदस्यता अभियान प्रभारी सीताराम सैनी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बैठक में मंडल पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न मोर्चा अध्यक्ष पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने सर्वप्रथम संगठन पर्व सदस्यता अभियान की समीक्षा की। सभी को सदस्यता अभियान में सक्रियता से अपनी भागीदारी सुनिश्चिवत करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विधायक हरिसिंह सप्रे ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। पार्टी कार्यकर्ताओं को जो जिम्मेदारी देती है। उन्होंने कहा कि विदिशा जिले में कुरवाई विधानसभा 3 दिन के अंदर जिले की भाजपा सदस्यता अभियान सूची में नंबर वन हो इसके लिए कार्यकर्ता आज से ही लग जाए। जिस तरह भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधानसभा और लोकसभा में 61 हजार मतों से जिताया था। उसी तरह सदस्यता अभियान में भी नंबर वन बनाकर हमें परचम लहराना है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक व्यक्तियों को पार्टी विचारधारा से अवगत करवाते हुए जोडना है। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद महिलाओं का सम्मान बढ़ता जा रहा है। आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व संसद और विधानसभा में 33 प्रतिशत रहेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान की रजिस्ट्री महिला के नाम पर होती है और उज्जवला योजना सहित कई कल्याणकारी योजनाओं के कारण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। आज लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना का लाभ बड़ी संख्या में महिलाओं को मिल रहा है। कुछ वर्ष पहले देश-प्रदेश में बेटियों को अभिशाप माना जाता था, लेकिन अब केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के कारण बेटियों को अभिशाप नहीं वरदान माना जाता है। वर्ष 2014 से पहले गरीबी हटाने का सिर्फ नारा सुनाई देता था, लेकिन अब गरीबी हटाना प्रधानमंत्री का मिशन है और वो इस दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

**घुमंतू जाति के लोगों से संवाद कर दिलाई भाजपा की सदस्यता :** वहीं बैठक के उपरांत कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे ने सड़क किनारे रहने वाले घुमंतू जाति के उन्होंने घुमंतू जाति के लोगों से चर्चा कर भाजपा की रीति नीति के बारे में बताया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आप लोग कहां से आए हैं और यहां कब से रह रहे हैं। जिसमें कई लोगों ने बताया कि हम खुरई के हैं, तो कुछ लोगों ने कहा कि आपके विधानसभा क्षेत्र के ही हैं। जिस पर विधायक ने खुशी जाहिर करते हुए उनसे कहा कि यदि आपको कोई आवश्यकता है तो आप मुझे बताइए। इस दौरान उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया और कहा कि जब चाहे आप मुझे फोन लगा सकते हैं। जिसके बाद कुछ लोगों को भाजपा की सदस्यता भी दिलाई। वही घुमंतू जाति के लोगों की बात सुनकर उन्होंने मौके पर से ही अधिकारियों को दूरसंचार पर चर्चा कर जरूरी कागजात बनाने की बात कही।

**आधा दर्जन गांवों में पहुंचे विधायक :** वहीं सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक के पश्चात कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों में भी पहुंचे जहां पर उन्होंने गांव के लोगों और किसानों से चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि विधानसभा के अंतर्गत आने वाले किसी भी किसान को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि देश के कृषि मंत्री मेरे गुरु और इस विधानसभा के पालक शिवराज सिंह चौहान है। उन्होंने कहा कि जैसे ही बारिश हुई थी मैं तत्काल उनसे मिला था उन्होंने मेरे सामने ही विभागीय अधिकारियों को किसानों के खेतों में पहुंचकर मौका मुआयना करने के निर्देश दिए थे। साथ ही यदि किसानों को कोई परेशानी है तो किसान चिंतित ना हो बल्कि मुझे बताएं मैं हर परिस्थिति में किसानों के साथ हुं।

# जनसुनवाई कार्यक्रम में 141 आवेदन प्राप्त हुए

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा आहूत साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में अधिकांश आवेदनों का निराकरण हो रहा है। कलेक्टर स्वंय तमाम आवेदनों के निराकरणो की विभागवार पृथक-पृथक समीक्षा कर रहे है। जिसमें विगत जनसुनवाई के लंबित आवेदनों पर निराकरण की अद्यतन स्थिति से अधिकारी अवगत करा रहे हैं।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में खण्ड स्तरीय अधिकारी भी सीधे वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुडे रहते है और आवेदको के आवेदनों से अवगत होकर निराकरण की पहल कर रहे है। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा एक अक्टूबर को आयोजित की गई जनसुनवाई कार्यक्रम में 141 आवेदकों ने अपने आवेदन प्रस्तुत कर व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा मौके पर 65 आवेदनो का निराकरण किया गया है। कलेक्ट्रेट के भूतल कक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, सुश्री निकिता तिवारी, श्री विनीत तिवारी, समेत विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों में से लंबित आवेदनों पर समय सीमा में निराकरण कर जन आकांक्षा पोर्टल पर जानकारियां दर्ज कराने के निर्देश दिए है।

# भारत ने घर में लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीती

## अश्विन 11वीं बार प्लेयर ऑफ द सीरीज बने, मुरलीधरन की बराबरी

**कानपुर. एजेंसी**

भारत ने बांग्लादेश को दो मैच की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में 7 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप भी कर लिया। होम ग्राउंड पर भारत की यह 18वीं टेस्ट सीरीज जीत है। सीरीज में 114 रन बनाने के साथ 11 विकेट लेने वाले रविचंद्रन अश्विन प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए। उन्हें टेस्ट में 11वीं बार यह अवॉर्ड मिला। इस मामले में उन्होंने श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन की बराबरी कर ली। भारत की घर में लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीत बांग्लादेश पर सीरीज जीत के साथ भारत ने अपने घर में लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीत ली। भारत 2012 में आखिरी बार इंग्लैंड से 4 टेस्ट की सीरीज 2-1 से हारा था। 2013 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से हराया और तब से लगातार 18 सीरीज पर कब्जा किया। बांग्लादेश के खिलाफ भारत ने 8वीं टेस्ट सीरीज जीती। भारत ने ओवरऑल बांग्लादेश को 13वां टेस्ट हराया, दोनों के बीच 2 मुकाबले ड्रॉ रहे। अश्विन ने रिकॉर्ड 11वीं बार प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 114 रन बनाए और 11 विकेट भी लिए।

# बाबर ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ी, बोले- बोझ बढ़ रहा था

## पूर्व सिलेक्टर बोले थे- चयनकर्ताओं के सुझाव नहीं मानते थे बाबर

**इस्लामाबाद, एजेंसी**

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कप्तानी छोड़ने का ऐलान कर दिया। बाबर ने मंगलवार, 1 अक्टूबर को देर रात सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया। 29 साल के बाबर ने लिखा- मेरे लिए टीम की कप्तानी करना गर्व की बात थी, लेकिन इससे बोझ बढ़ रहा था। मैं पूरी तरह से अपने खेल पर फोकस करना चाहता हूं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसी साल बाबर को दोबारा कप्तान बनाया था, हालांकि उनकी कप्तानी पर कई बार सवाल उठे। पूर्व सिलेक्टर मोहम्मद वसीम ने बाबर आजम को जिद्दी बताया था। पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य चयनकर्ता मोहम्मद वसीम ने एक महीने पहले बाबर को लेकर कई दावे किए थे। 46 साल के पूर्व क्रिकेटर ने कहा- बाबर बहुत जिद्दी था और अक्सर चयन समिति द्वारा दिए गए सुझाव का विरोध करता था। फिलहाल, बाबर बांग्लादेश के खिलाफ रावलपिंडी में जारी दूसरे टेस्ट में पाकिस्तानी टीम का हिस्सा हैं, हालांकि उनका प्रदर्शन खराब रहा है। वे 2 मैचों की चार पारियों में 64 रन ही बना सके हैं।

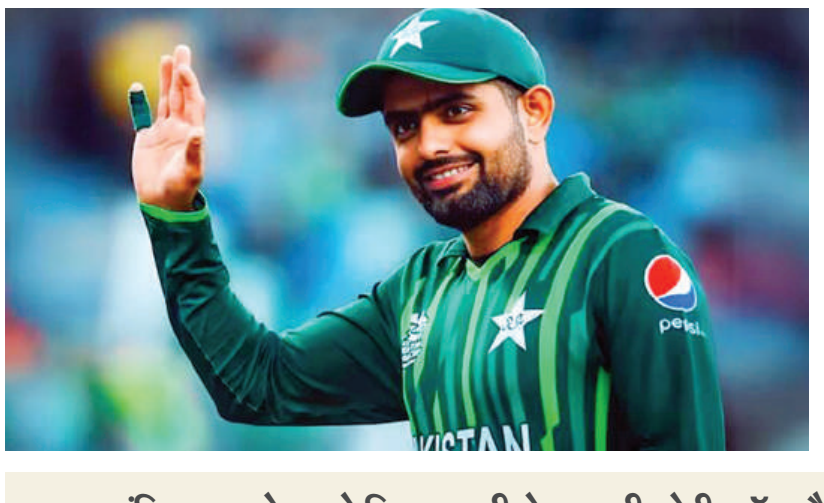



### जिद्दी थे कप्तान बाबर

बाबर को बदलावों के फायदे समझाना कठिन था। वह बहुत जिद्दी था और मैंने उसे मनाने की बहुत कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। वह बदलावों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था। ड्रेसिंग रूम का माहौल कुछ खिलाड़ियों की वजह से खराब था। मैंने चीफ सिलेक्टर्स के तौर पर उन्हें हटाने की कोशिश की, लेकिन टीम प्रबंधन उन्हें वापस ले आया। मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन 4 कोचों ने मुझसे कहा कि खिलाड़ियों का एक समूह टीम के लिए कैंसर है।

## इधर, इंडिया टूर से पहले टिम साउदी ने कप्तानी छोड़ी, टॉम लैथम ने कमान संभाली

न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी ने इंडिया टूर से ठीक पहले कप्तानी छोड़ दी है। उनकी जगह टॉम लॉथम को टीम का नया कप्तान बनाया गया है। वे 16 अक्टूबर से भारतीय दौरे पर आ रही कीवी टीम की कप्तानी करेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार रात इसकी जानकारी दी। 35 साल के साउदी ने कहा- मैंने टीम के हित में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। न्यूजीलैंड की कप्तानी करना मेरे लिए बेहद खास रहा है। मैंने हमेशा अपने करियर में टीम को प्राथमिकता दी है और मेरा मानना है कि यह फैसला टीम के लिए सही है। अब मैं अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करके टीम की बेहतर सेवा कर सकता हूं। साउदी ने दिसंबर 2022 में केन विलियमसन की जगह ली थी। साउदी ने 14 टेस्ट मैचों में टीम की कमान संभाली, इनमें से 6 में जीत, 6 में हार और 2 मैच ड्रॉ रहे। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज 2-0 से गंवाई साउदी की कप्तानी में न्यूजीलैंड की टीम पिछले हफ्ते श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज में 2-0 से हार गई थी। श्रीलंकाई टीम ने गॉल में खेले गए पहले मुकाबले में 63 रन से गंवाया, जबकि टीम को दूसरे मुकाबले में पारी और 154 रन की पराजय झेलनी पड़ी थी। इस सीरीज में साउदी ने 49 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ 2 विकेट ही ले सके।

# करियर की 201वीं जीत दर्ज कर अल्कारेज अंतिम-4 में

## चाइना ओपन टेनिस: मेदवेदेव से होगा सामना

**बीजिंग, एजेंसी।** विश्व के तीसरे नंबर के पुरुष एकल टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उनका सामना रूस के डेनियल मेदवेदेव से होगा। अल्कारेज ने क्वार्टरफाइनल में सातवीं वरीय रूस के ही करेन खचानोव को 7-5, 6-2 से हराया। यह उनके एटीपी करियर की 201वीं जीत है। वहीं मेदवेदेव ने इटली के फ्लावियो कोबोली को 6-2, 6-4 से पराजित किया।

**सबालेंका की लगातार 14वीं जीत:** महिला एकल में बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने इस सीजन लगातार 14वीं जीत के साथ अंतिम-16 राउंड में प्रवेश कर लिया। सबालेंका ने अमेरिका की एश्लीन क्रूगर को 6-2, 6-2 से हराया। इस बीच नाओमी ओसाका भी अंतिम-16 में जगह बनाने में सफल

## इंग्लिश प्रीमियर लीग: टेन हेग की मुश्किलें बढ़ीं

# टोटेनहेम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 3-0 से दी मात

**मैनचेस्टर. एजेंसी**

मैनचेस्टर यूनाइटेड को इंग्लिश प्रीमियर लीग के मैच में टोटेनहेम स्पर्स के हाथों 3-0 से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के शीर्ष फुटबॉल क्लब की इस सीजन प्रीमियर लीग में यह लगातार दूसरी व कुल तीसरी हार है। टीम अब तक खेले छह मैचों में से दो ही जीत सकी है, जबकि एक ड्रॉ रहा है। अंकतालिका में मैनचेस्टर यूनाइटेड 12वें स्थान पर चल रहा है। इस प्रदर्शन के बाद टीम के कोच एरिक टेन हेग की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्हें अपनी नीतियों के लिए चोतरफा आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

**जॉनसन ने तीसरे मिनट में खोला खाता:** टोटेनहेम के लिए ब्रेनन जॉनसन ने मैच के तीसरे ही मिनट में गोल दागा। उसके बाद दूसरे हाफ में देजन कुलुसेवस्की ने 47वें मिनट में दूसरा गोल किया। डोमिनिक सोलांके ने 77वें मिनट में एक और गोल कर टोटेनहेम को 3-0 से जीत दिला दी।

# वैभव के नाबाद अर्धशतक से भारत हुआ मजबूत

## अनाधिकृत अंडर-19 टेस्ट मैच

**चेन्नई. एजेंसी**

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ अनाधिकृत अंडर-19 टेस्ट मैच में पहली पारी में 293 रन बनाए। जवाब में भारतीय अंडर-19 टीम ने स्टंप्स तक बिना किसी नुकसान के 103 रन बना लिए थे। ओपनर वैभव सूर्यवंशी 81 और विहान मल्होत्रा 21 रन बना कर क्रीज पर थे। समर्थ व इनान की **शानदार गेंदबाजी:** इससे पहले भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से समर्थ नागराज और मोहम्मद इनान ने तीन-तीन विकेट चटकाए। आदित्य रावत ने 2 विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के लिए एडिन ओकोनोर ने 61 और रिले किंग्सेल ने 53 रन का योगदान किया।

# अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका कोर सेक्टर का उत्पादन घटा

## मेट्रो बाजार

**नईदिल्ली. एजेंसी**

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अगस्त, 2024 में भारत को बड़ा झटका लगा है। आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोर सेक्टर) की उत्पादन वृद्धि निगेटिव जोन में चली गई है और ग्रोथ रेट माइनस 1.8 फीसदी तक लुढ़क गई है, जो जून 2024 में 6.1 फीसदी और अगस्त 2023 में 13.4 फीसदी बढ़ी थी। यह गिरावट कोयला, कच्चे तेल, नेचुरल गैस, रिफाइनरी प्रोडक्ट्स, सीमेंट और बिजली के उत्पादन में कमी की वजह से आई है। वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल से अगस्त के बीच



कोर सेक्टर का उत्पादन केवल 4.6 फीसदी बढ़ा जो पिछले साल की समान अवधि में 8 फीसदी बढ़ा था। भारत का राजकोषीय घाटा मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 5 महीने यानी अप्रैल-अगस्त के दौरान 4.35 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पूरे वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 27 फीसदी है। इस अवधि में कुल सरकारी खर्च 16.52 लाख करोड़ रुपए रहा, जो बजट लक्ष्य का लगभग 34.3 फीसदी है। नेट टैक्स रेवेन्यू 8.7 लाख करोड़ रुपए रहा। यह बजट अनुमान का 33.8 फीसदी है। जुलाई 2023 के अंत में नेट टैक्स रेवेन्यू कलेक्शन 34.5 फीसदी था। केंद्र का पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) यानी इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर खर्च 3,00,987 करोड़ रुपए रहा, जो सालाना लक्ष्य का 27.1 फीसदी है। पिछले साल की समान अवधि में यह 3,73,799 करोड़ रुपए यानी बजट लक्ष्य का 37.4 फीसदी था। वहीं जून तिमाही में सरकार का चालू खाता घाटा सालाना आधार पर बढ़कर जीडीपी के 1.1 फीसदी पर पहुंच गया। पहली तिमाही में चालू खाता घाटा 970 डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में 8.9 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 1 फीसदी था। चालू खाता घाटा मुख्य रूप से व्यापार घाटे में वृद्धि से बढ़ा।

# अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेच सकेंगे गैर बासमती चावल, निर्यात से प्रतिबंध हटा, मूल्य तय हुआ

**नईदिल्ली. एजेंसी**

विदेश व्यापार महानिदेशालय ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटा दिया है। इसका न्यूनतम निर्यात मूल्य 490 डॉलर प्रति टन तय किया है। परबॉइल्ड और ब्राउन चावल पर निर्यात शुल्क भी 20 से घटाकर 10त्न किया है। इससे प्रदेश के चावल उद्योग को राहत मिलेगी। प्रदेश में कुछ वर्षों में 200 से अधिक चावल मिल लगे हैं। इससे चीन, यूएस, यूएई एवं यूरोप के देशों में निर्यात बढ़ा है। डीजीएफटी मप्र के संयुक्त निदेशक ने बताया, निर्यात रोक खत्म होने से मप्र के किसानों व निर्यातकों को फायदा होगा। वे न्यूनतम निर्यात मूल्य से अधिक पर बेच सकेंगे।

## इधर, तुवर दाल की कीमतों में गिरावट

किराना बाजार में शकर और खोपरा गोला के भाव में तेजी दर्ज की गई। ट्रक भाड़े बढ़ने के साथ कोटा कम आने के कारण शकर की कीमतों में तेजी आई है। नारियल ऊंचे भाव पर मांग कमजोर रही। वहीं आयातित मालों में बिकवाली का दबाव बढ़ने व ग्राहकी का अभाव बना रहने से तुवर की कीमतों में गिरावट दर्ज की जा रही है। तुवर दाल में उठाव न के समान बना रहने से तुवर में दाल मिलर्स की लिवाली ठंडी बनी हुई है जिस कारण तुवर की कीमतों पर दबाव बना हुआ हुआ है। आयातकों की बिकवाली का दबाव बढ़ने आगे भी भाव घटने की संभावना है।

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

# सह कलाकारों के काम को देखकर घबरा गई थीं तृप्ति, बोलीं- विक्की से 3 दिन तक नहीं की थी बात

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने बैड न्यूज और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के अपने सह कलाकारों को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। तृप्ति ने कहा कि विक्की कौशल के काम को देखकर उन्होंने तीन दिन तक उनसे बात नहीं की थी। उन्होंने कहा राजकुमार राव बड़ी आसानी से अपने किरदार में ढल जाते हैं। तृप्ति ने राजकुमार और विक्की कौशल के साथ काम करने को लेकर अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया कि अपने सह कलाकारों के काम और तरीके को देख वह घबरा गई थीं। उन्होंने सेट पर कुछ दिनों तक विक्की कौशल से बात नहीं की थी।

सह कलाकारों को लेकर किए ये खुलासे एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपने सह कलाकारों को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। अभिनेत्री ने बताया कि 'बैड न्यूज' की शूटिंग के दौरान वह कुछ घबराहट और परेशानी महसूस कर रही थीं। अभिनेत्री ने तीन दिनों तक विक्की कौशल से बात नहीं की थी। अभिनेत्री ने 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' की शूटिंग के दौरान राजकुमार के साथ काम किया है। उनके साथ हुए अनुभव पर तृप्ति डिमरी ने बताया कि राजकुमार राव एक ही बार में दो पेज का मोनोलॉग पढ़ सकते हैं। वह लिखी हुई लाइनों को नएपन के साथ बोलते हैं।

### तृप्ति को एक्टिंग करना लगता था मुश्किल

तृप्ति डिमरी को एक्टिंग करना थोड़ा मुश्किल लगा था। हालांकि, काम करने के साथ ही वह इन चीजों के साथ सहज हो गई। तृप्ति डिमरी 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत ही घबरा गई थीं। तृप्ति ने कहा, मैं घबरा गई थी। तीन दिनों तक मैं एक ही चीज पर रुकी हुई थी। हमने पहले गाना शूट किया। मैंने विक्की से ठीक से बात भी नहीं की क्योंकि मैं उनकी परफॉर्मेंस देखकर घबरा गई थी। निर्देशक के साथ घुलने मिलने में मुझे 5-10 दिन लग गए थे।

# परी ने जताई 'अमर सिंह चमकीला' दोबारा शूट करने की इच्छा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने फिल्म अमर सिंह चमकीला में दोबारा काम करने की इच्छा जताई है। फिल्म में परिणीति के साथ दिलजीत दोसांझ भी नजर आए थे। इसी फिल्म को लेकर परिणीति ने अब एक पोस्ट किया है। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने अपने दमदार अभिनय से अपने प्रशंसकों का दिल जीत लिया था। साल 2024 में आई फिल्म अमर सिंह चमकीला में दिलजीत दोसांझ के साथ काम किया था। इस फिल्म को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया था। इस फिल्म में परिणीति ने अमरजोत कौर का किरदार निभाया था। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया था। फिल्म में परिणीति के साथ दिलजीत दोसांझ भी नजर आए थे। इसी फिल्म को लेकर परिणीति ने अब एक पोस्ट किया है। अमर सिंह चमकीला फिल्म में परिणीति दोबारा काम करना चाहती हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट से उन्होंने एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने दिलजीत दोसांझ और इम्तियाज अली को टैग करके दोबारा इस फिल्म के लिए काम करने की इच्छा जताई है। इस पोस्ट में रियर लाइफ अमर सिंह चमकीला की पोस्ट को टैग किया गया है। परिणीति ने लिखा, उफ्फ, क्या हम यह फिल्म दोबारा शूट कर सकते हैं।

## मन की बात...

# शाहरुख खान बोले- मेरे ऊपर कोई हो ही नहीं सकता

हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में शाहरुख से पूछा गया कि रिटायर होने के बाद रोमांस का क्या होगा? फिल्म निर्माता ने पूछा, आप मन्नत नामक बंगले में रहते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपार्टमेंट में रहने के बारे में सोचा है? शाहरुख खान बॉलीवुड के वो अभिनेता हैं, जिनके प्रशंसक ना सिर्फ भारत में बल्कि विश्व भर में हैं। अपने अभिनय और अनोखे अंदाज के चलते उन्होंने अपनी कभी ना मिटने वाली पहचान बना ली है। अब हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में फिल्म निर्माता करण जौहर ने अभिनेता से पूछा कि क्या वह कभी अपार्टमेंट में जाने के बारे में क्यों नहीं सोचते। इस सवाल के जवाब में अभिनेता ने जो जवाब दिया, वह लोगों का दिल जीत रहा है। हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में शाहरुख से पूछा गया कि रिटायर होने के बाद रोमांस का क्या होगा? फिल्म निर्माता ने पूछा, फ़आप मन्नत नामक बंगले में रहते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपार्टमेंट में रहने के बारे में सोचा है? इस पर शाहरुख ने जवाब दिया, हो ही नहीं सकता ना, क्योंकि मेरे ऊपर कोई हो ही नहीं सकता। मैं एक्टर्स की सीलिंग हूं, दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं। करण जौहर ने शाहरुख से पूछा कि उनके जाने के बाद रोमांस का क्या होगा। अभिनेता ने चुटकी लेते हुए कहा, रोमांस मेरे साथ ही खत्म हो जाएगा। इसके बाद कैमरा अभिनेत्री रानी मुखर्जी पर जाता है, जो लंबे समय से उनकी सहयोगी और करीबी दोस्त हैं, जो उनके बयान पर खुशी जताती नजर आती हैं। इसके बाद फिल्म निर्माता शाहरुख खान से पूछते हैं कि क्या उन्हें लगता है कि वह एक अच्छे डांसर हैं, जिस पर सुपरस्टार कहते हैं, मुझे डांसिंग की जरूरत नहीं पड़ती, पूरी फिल्म इंडस्ट्री मेरे उंगलियों पर नाचती है।

## बारह साल के बच्चे ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

**भोपाल।** छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित भानपुर में मंगलवार शाम बारह साल के बच्चे ने फांसी लगाकर आत्म्हत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे का शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस के अनुसार अंकित साहू पिता प्रकाश साहू (12) मकान नंबर-1, कोटेक महिंद्रा बैंक के पास भानपुर में रहता था और स्कूली छात्र था। परिजन ने बताया कि मंगलवार शाम साढे 7 बजे उसने खुद को कमरे में बंद कर फांसी लगा ली। जब तक परिजन ने दरवाजा तोड़ा काफी देर हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस का कहना है कि परिजन अभी शोकाकुल है और कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। आज उनके बयान दर्ज किए जाएगे।

भोपाल में आनंद नगर रोड से लेकर जेके रोड तक कॉलेज बसों के कारण लगने वाले जाम से लोग परेशान हैं।

### पुलिस आयुक्त ने ली बैठक

# दुर्गा उत्सव पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने बनाया रोडमैप

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने मंगलवार को पुलिस अफसरों की बैठक ली और नवदुर्गा उत्सव पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने गुंडे-बदमाशों तथा आदतन अपराधियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने और सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित इस समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, समस्त पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त एवं थाना प्रभारी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त मिश्र ने बैठक में दुर्गा प्रतिमा स्थापना की तैयारियां, रामलीला, गरबा महोत्सव, पथ संचलन, जुलूस/चल समारोह, दशहरा महोत्सव, रावण दहन तथा प्रतिमा विसर्जन इत्यादि महत्पूर्ण बिंदुओं पर थाना स्तर पर समीक्षा की। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने थाना क्षेत्र के दुर्गा पंडाल, गरबा स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएं, लाईटिंग एवं जुलूस मार्ग तथा प्रतिमा विसर्जन स्थल का निरीक्षण अनिवार्य रूप से कर लें। नगर रक्षा समिति एवं गणमान्य नागरिकों की बैठक आयोजित कर शासन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशों से अवगत कराएं। प्रतिमा स्थलों वाले क्षेत्रों में निरंतर गश्त करते रहें। गरबा एवं झांकी स्थल पर महिलाओं की सुरक्षा हेतु विशेष रूप से महिला पुलिस बल भी तैनात करें। इसके साथ ही वालंटियर एवं नगर रक्षा समिति के सदस्यों का सहयोग लें। पुलिस आयुक्त ने कहा कि असामाजिक तत्वों एवं सोशल मीडिया पर नजर रखें तथा गुंडे-बदमाशों और आदतन अपराधियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम एवं वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें।

## घर के सामने खड़ी बाइक चोरी, एफआईआर दर्ज

हनुमानगंज इलाके में एक युवक की घर के सामने खड़ी बाइक बीस मिनट के भीतर चोरी हो गई। कई अन्य स्थानों से भी बदमाश दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए हैं।

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मो। अकरम (28) ईसाईगंज हमीदिया रोड पर रहते हैं और मार्केटिंग का काम करते हैं। रविवार की रात करीब दस बजे उन्होंने अपनी बाइक घर के सामने लॉक करके खड़ी की और खाना खाने के लिए भीतर चले गए। करीब बीस मिनट बाद घर से बाहर निकले तो बाइक चोरी हो चुकी थी। आसपास तलाश करने पर भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चाल तो सोमवार सुबह उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर नीलम कालोनी जहांगीराबाद निवासी जावेद हसन एक होटल में काम करते हैं। सुबह करीब सात बजे उन्होंने अपनी स्कूटर घर के सामने खड़ी की थी। करीब एक घंटे बाद देखा तो स्कूटर चोरी हो चुकी थी। इसी प्रकार तलैया थानांतर्गत कोलीपुरा बुधवारा से फरमान कुरैशी की स्कूटर, गौरव नगर मल्टी कोलार रोड से पंचम अहिरवार और सब्जी मंडी परिसर निशातपुरा से धनराज मालवीय की मोटर सायकिल चोरी हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जेवरात समेत लाखों का सामान चोरी कोलार थानांतर्गत सिग्नेचर ग्रीन विलास कालोनी में रहने वाले मनीष पांडे के सूने मकान से चोर सोने-चांदी के जेवरात और 10 हजार रुपये नकदी समेत लाखों का सामान चोरी कर ले गए। इसी प्रकार पिपलानी थानांतर्गत कल्पना नगर स्थित शिवालय गर्ल्स होस्टल के खुले कमरे से चोर एक लैपटाप चोरी कर ले गए। चोरी गए लैपटाप की कीमत 30 हजार रुपये बताई गई है।

## कार की टक्कर से स्कूटर सवार युवतियां घायल, मामला दर्ज

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

टीटी नगर इलाके में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से स्कूटर सवार युवतियां घायल हो गई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक उपासना अहिरवार (25) कटारा हिल्स में रहती हैं और प्रायवेट नौकरी करती हैं। रविवार की रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपनी बहन साक्षी के साथ स्कूटर से न्यू मार्केट से अपने घर लौट रही थी। लिंक रोड नंबर एक स्थित गुलाब उद्यान के पास पहुंची, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों बहनें सड़क पर गिरकर

घायल हो गईं। उनके हाथ पैरों में गंभीर चोट आई। राहगीरों ने दोनों को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया। अगले दिन सोमवार को उपासना ने थाने जाकर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

## करंट लगने से युवक की मौत तार जोड़ते वक्त हुआ हादसा

**भोपाल।** गुनगा इलाके में रहने वाले एक युवक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। घटना के समय वह मोटर का तार बिजली की लाइन से जोड़ रहा था। पुलिस के मुताबिक रज्जू उर्फ राजेश ठाकुर (22) ग्राम भैंसाखेड़ी में रहता था और खेती किसानी करता था। सोमवार दोपहर को वह खेत पर लगी मोटर का तार बिजली की लाइन से लगाने के लिए पहुंचा था। उसे यह जानकारी थी कि बारह घंटे की बिजली कटौती चल रही है, इसलिए वह सीधे लाइन से तार जोड़ने लगा। उस समय लाइन चाकू होने के कारण उसे करंट का तेज झटका लगा। परिजन इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

सर्व पितृमौक्ष अमावस्या पर आज शीतल दास की बगिया घाट पर लोगों ने अपने पितरों का जल दिया। आज पितृपक्ष का समापन हो रहा है।

फोटो निर्मल व्यास

## गाय को कुचलने वाले ट्रक चालक पर केस दर्ज

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

सूखी सेवनिया इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रक ने गाय को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक शिशुपाल ठाकुर (25) ग्राम भदभदा सूखी सेवनिया में रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। वह गौशाला के सदस्य भी हैं। सोमवार रात करीब दस बजे शिशुपाल अपने दोस्तों के साथ गांव की एक दुकान के सामने खड़े थे। इसी दौरान भोपाल विदिशा रोड से बालमपुर की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने दुकान के सामने सड़क किनारे बैठी गायब को टक्कर मार दी। गाय ट्रक में फंस गयी थी, जिसे चालक ने काफी दूर तक घसीट दिया। शिशपाल और उनके साथी दौड़कर ट्रक के पास पहुंचे तो चालक उतरकर भाग चुका था, जबकि गाय की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शिशुपाल की रिपोर्ट पर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर ट्रक जब्त कर लिया है।

**मेट्रो एंकर** | स्कूल में 3 साल की मासूम से दुष्कर्म का मामला

## स्कूल की मान्यता समाप्त करने का प्रस्ताव डीपीआई को भेजा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

राजधानी के कमला नगर स्थित निजी स्कूल में तीन साल की मासूम से दुष्कर्म के मामले में स्कूल की मान्यता समाप्त करने का फैसला अब लोक शिक्षण संचालनालय लेगा। मामले में जिला स्तर पर बनाई गई समिति ने जांच पूरी करने के बाद रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी है। जिसका अवलोकन करने के बाद

**जल्द होगा फैसला** कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने संबंधित स्कूल की मान्यता रद्द करने का प्रस्ताव लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) को भेजा है। साथ ही अगले शिक्षा सत्र में इस स्कूल की मान्यता का नवीनीकरण ना करने की सिफारिश भी की है। हालांकि मौजूदा

शिक्षा सत्र सरकारी प्राचार्य की निगरानी में पूरा कराया जाएगा। बताया जा रहा है कि अगर स्कूल की मान्यता समाप्त करने की कार्यवाही की गई तो स्कूल में पढ रहे बच्चों को दूसरे स्कूलों में भेजा जाएगा। इसको लेकर फिलहाल मंथन जारी है।

### यह है पूरा मामला

दरअसल, कमला नगर थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी स्कूल के शिक्षक द्वारा तीन वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म की घटना 18 सितंबर को सामने आई थी। मामले में जांच के बाद पुलिस ने आरोपी कासिम रेहान को गिरफ्तार किया था। घटना के विरोध में छात्र संगठन, अभिभावकों सहित अन्य संगठनों ने स्कूल की मान्यता समाप्त करने को लेकर स्कूल के समामने विरोध प्रदर्शन किया था। जिसके बाद जिला प्रशासन ने मामले में जांच के लिए अलग-अलग समितियां बनाई थी। समितियों ने जांच के बाद रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी है, जिसके आधार पर अब आगे की कार्यवाही की जा रही है।

### नाबालिग से सौतेले पिता ने की अश्लील हरकत

निशातपुरा में रहने वाली 12 साल की लड़की के साथ उसके सौतेले पिता ने अश्लील हरकत की। पत्नी ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने पत्नी की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ मारपीट, छेड़छाड़ और पोक्सो एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली एक महिला का अपने पति से तलाक हो चुका है। करीब दो महीने पहले उसने दूसरे व्यक्ति से शादी की है। लगभग दो सप्ताह तक ससुराल में रहने के बाद महिला अपने मायके में आकर रहने लगी। उसके साथ बारह साल की बेटी और आठ साल के बेटा भी रहता है। दूसरा पति घर आता-जाता रहता है। बीती 21 सितंबर को दोपहर के समय महिला छत पर कपड़े सुखाने गई थी, तभी उसका दूसरा पति घर पहुंचा। महिला जब कपड़े सुखाकर नीचे पहुंची तो देखा कि पति उसकी बेटी के साथ अश्लील हरकत कर रहा है। महिला ने जब इसका विरोध किया तो पति ने उसके साथ मारपीट कर दी। बेटी ने बीच-बचाव किया तो उसको भी पीट दिया। मां ने जब पूछताछ की तो बेटी ने बताया कि वह पहले भी इस प्रकार की हरकत कर चुका है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022